विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com | रायपुर, सोमवार, 14 अप्रैल 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 99 | पेज- 08 | मूल्य- ₹2.00/-

ज्ञानामृत

नर हो न निराश करो मन को।
कुछ काम करो, कुछ काम करो।
जग में रहकर कुछ नाम करो।
▶▶ मैथिलीशरण गुप्त

न्यूज इन शॉर्ट

लेजर हथियार प्रणाली से ड्रोन-मिसाइल हासिल करने वाला चौथा देश बना भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अब लेजर हथियार प्रणाली से दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता हासिल कर ली है। डीआरडीओ की तरफ से पहली बार आंध्र प्रदेश के कुरनूल में इस 30 किलोवाट लेजर आधारित

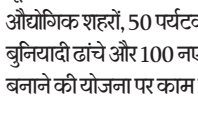

हथियार प्रणाली की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। इस प्रणाली का उपयोग करके फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन (एक साथ आने वाले कई ड्रोन) को निशाना बनाया गया। ऐसा करके भारत अमेरिका, चीन और रूस सहित उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऐसी क्षमता दिखाई है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि इस सफलता में कई डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, उद्योग और शैक्षिणक संस्थानों ने मिलकर काम किया है।

आयात पर निर्भरता घटाएं, पर्यावरण हितैषी निर्माण पर फोकस करें: गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को उद्योग जगत से अपील करते हुए कहा कि वे आयात घटाने और स्वच्छ और हरित ऊर्जा पर फोकस करें। साथ ही उन्होंने भूकंप रोधी ढांचे और पर्यावरण हितैषी

इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण पर ध्यान देने की अपील की। नई दिल्ली में केमिकल्स एंड एलाइड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 के पहले संस्करण के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आवास, इंफ्रास्ट्रक्चर, वाणिज्यिक रियल एस्टेट, रेलवे, एयरपोर्ट, हाईवे और ऊर्जा जैसे क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गोयल ने कहा कि 20 नए स्मार्ट औद्योगिक शहरों, 50 पर्यटक स्थलों में बेहतर पर्यटन बुनियादी ढांचे और 100 नए औद्योगिक प्लग-एंड-प्ले हब बनाने की योजना पर काम कर रही है।

यूक्रेन के सुमी शहर पर रूस का मिसाइल हमला, 21 की मौत

कीवी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी शहर सुमी पर रूस के बैलेस्टिक मिसाइल हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 80 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन ने

यह जानकारी देते हुए कहा कि नागरिकों पर रूस का यह एक और घातक हमला है। मिसाइल हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने हाल ही में रूस की यात्रा की है। यूक्रेन का सुमी शहर रूस की सीमा के करीब है और पिछले कुछ हफ्तों से इस शहर को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सुमी पर यह हमला अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ की रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दो दिन बाद हुआ है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रूस से युद्ध खत्म करने का आग्रह करने के बावजूद किया गया है।

आंध्र प्रदेश: कैलासपट्टनम जिले की एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, आठ लोगों की मौत

अनकापल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में मारने वाले

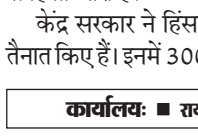

श्रमिकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घटना में सात अन्य लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दुर्घटना दोपहर करीब 12:45 बजे हुई और बचावकर्मी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया, इस अग्निकांड में दो महिलाओं सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

जय भीम पदयात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बोले-

पवित्र ग्रंथ है संविधान की किताब

नेताओं ने युवाओं के साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया, प्रिएम्बल वाल पर किए हस्ताक्षर

विजय मत, रायपुर

अंबेडकर जयंती से एक दिन पहले रविवार को रायपुर में जय भीम पदयात्रा निकाली गई। इस यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा और रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा शामिल हुए। यात्रा तेलीबांधा तालाब से शुरू होकर अंबेडकर चौक पहुंची। इस अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माला चढ़ाई गई और नेताओं ने जय भीम के नारे लगाए। अलग-अलग क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले युवाओं को कार्यक्रम अवसर पर सम्मानित किया गया। इस दौरान यहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, भारत का संविधान हर नागरिक के लिए पवित्र ग्रंथ है, जो हमें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। हमारा विशाल लोकतंत्र संविधान की मजबूत नींव पर खड़ा है और बाबा साहब इस ग्रंथ के शिल्पकार थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, मप्र के मऊ में जन्म लेकर कठिन

संघर्षों के बाद बाबा साहब ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और भारत जैसे विशाल लोकतंत्र को एक समावेशी और शक्तिशाली संविधान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, जिससे नई पीढ़ी उनके विचारों से प्रेरणा ले सके। साथ ही संविधान दिवस की घोषणा कर देशवासियों को संविधान के प्रति समर्पण का संदेश दिया है।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का आह्वान

बाबा साहब की दूरदर्शिता की वजह से आज भारत जैसा विशाल देश अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को लगातार समृद्ध कर रहा है। वहीं भारत के साथ आज़ाद हुए अन्य देश लोकतंत्र को साथ लेकर नहीं चल पाए। उन्होंने युवाओं से भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और उन्हें मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सभी नेताओं ने युवाओं के साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और संविधान की मूल भावना के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए प्रिएम्बल वाल पर अपने हस्ताक्षर किए।

मंत्री टंकराम की जुबान फिसली...

मंच से अपने संबोधन के दौरान मंत्री टंकराम वर्मा ने उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा को दक्षिण का विधायक बता दिया। इस गलती के बाद में मंच पर बैठे सभी नेता मुस्कुराने लगे। हालांकि, मंत्री वर्मा ने फौरन अपनी गलती को सुधारते हुए पुरंदर को उत्तर का विधायक बताया।

सुशासन तिहार में आए साढ़े 17 लाख आवेदन, एक माह में निपटारे का लक्ष्य

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने लोगों की समस्याओं को जानने के लिए सुशासन तिहार योजना को शुरू किया है। इसके तहत शहर और गांव में लोगों से उनके परेशानियों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसके पहले चरण में 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक लोगों ने आवेदन किए हैं। इसमें कुल 17 लाख 47 हजार 218 आवेदन सरकार को मिले हैं।

शहर और गांव में रखी गई समाधान पेटियां

सुशासन तिहार के लिए सरकार ने गांव-गांव शहर में समाधान पेटियां रखी थी। उसके अलावा शिविर लगाए गए थे और ऑनलाइन फॉर्म भी मांगे गए थे। इन्हीं के माध्यम से 17 लाख 47 हजार 218 आवेदन सरकार को मिले हैं। इस योजना के तहत समस्या के निपटारे के लिए अगला चरण शुरू होगा और एक महीने के भीतर इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा। सुशासन तिहार की योजना में सरकार का दावा यही है।

सुशासन तिहार का दूसरा चरण

सुशासन तिहार के पहले चरण में जो प्रक्रिया सरकार द्वारा चलाई गई थी उसके तहत कुल 17 लाख 47 हजार 218 आवेदन मिले हैं। इसके दूसरे चरण में सभी प्राप्त आवेदनों को सॉफ्टवेयर में डालकर संबंधित विभाग को सौंप दिया जाएगा। मिले आवेदनों की विभागवार सूची तैयार करके विभागों को आवंटित किया जाएगा और उसके बाद एक महीने के भीतर उसका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

सुशासन तिहार का तीसरा चरण

सुशासन बिहार के तीसरे चरण में सभी जिले के 8 से 15 ग्राम पंचायत के माध्यम से समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर चर्चा की जाएगी। साथ ही हितग्राहियों को योजना का प्रपत्र भी दिया जाएगा। इस अभियान में सांसद विधायक जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही मुख्यमंत्री विभागों के मंत्री, मुख्य सचिव, प्रभारी सचिव और वरिष्ठ अधिकारी शिविर में उपस्थित रहकर के संवाद करेंगे। उसके बाद योजनाओं का फीडबैक भी लेंगे। इसके साथ ही लोगों को जो दिक्कतें आ रही हैं उसके बारे में भी सुनवाई की जाएगी।

83 फीसदी किसानों के हित में मप्र सरकार का बड़ा कदम

नेशनल डेयरी विकास बोर्ड और मध्य प्रदेश डेयरी फेडरेशन के बीच एमओयू साइन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कई बैठकों में गहन विचार विमर्च के बाद किसानों के हित में बड़ी फैसला लिया है। इसी के तहत रविवार को मप्र डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) और नेशनल डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एक अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ, जिसके तहत अब प्रदेश की प्रसिद्ध सांची दुग्ध संघ का संचालन एनडीडीबी द्वारा किया जाएगा। अनुमान है कि इस एमओयू से राज्य के 83% किसानों को सीधा फायदा पहुंचेगा।

भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन में केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साफ संदेश दिया कि राज्य सरकारें अगर नीतिगत स्तर पर मजबूत काम करें, तो वित्तीय संसाधनों की कमी कभी आड़े नहीं आएगी। अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में राज्य में प्रतिदिन लगभग साढ़े पांच करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है, जो देश के कुल उत्पादन का नौ प्रतिशत है। लेकिन इसमें से सिर्फ एक प्रतिशत से भी कम दूध सहकारी डेयरी के माध्यम से एकत्रित होता है। अमित शाह ने कहा कि, मध्यप्रदेश में कृषि, पशुपालन और सहकारिता तीनों क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। आज के अनुबंध के बाद प्रदेश के 83 प्रतिशत गांवों तक सहकारिता की पहुंच बढ़ेगी। हमें इनका शत प्रतिशत दोहन करने के लिए बहुत कार्य करने की आवश्यकता है।

नियमों का उल्लंघन, बेटियों को संपत्ति से वंचित करने की साजिश

गोदनामे पर सुप्रीम टिप्पणी: संपत्ति विवाद में एक पुराने गोदनामे को कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के एक संपत्ति विवाद में एक पुराने गोदनामे को खारिज कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह गोदनामा जानबूझकर बनाया गया था ताकि बेटियों को उनके पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी से वंचित किया जा सके। यह मामला भुनेश्वर सिंह नाम के व्यक्ति की संपत्ति से जुड़ा है, जिनकी दो बेटियां-शिव कुमारी देवी और हरमुनिया हैं। एक व्यक्ति अशोक कुमार ने दावा किया कि उन्हें भुनेश्वर सिंह ने 1967 में गोद लिया था और इस आधार पर वह उनकी संपत्ति में अधिकार रखते हैं। उन्होंने गोदनामा और एक फोटो अदालत में पेश किया था। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने इस गोदनामे को खारिज कर दिया है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि, हमने पूरी सुनवाई और दस्तावेजों से साफ है कि यह गोदनामा सिर्फ बेटियों को उनके हक से वंचित करने के लिए तैयार किया गया था।

ग्रामीण इलाकों में बेटियों को संपत्ति से बाहर करने की चाल... जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा- हम जानते हैं कि ग्रामीण इलाकों में बेटियों को संपत्ति से बाहर करने के लिए इस तरह की गोद लेने की चालें चलती हैं। यह एक आम तरीका है बेटियों को उनका हक न देने का। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गोदनामा कानूनी रूप से अमान्य है और इसे खारिज करना बिल्कुल सही फैसला है। इलाहाबाद हाईकोर्ट और पहले राजस्व बोर्ड ने जो फैसला दिया था, वह पूरी तरह से विधिसंगत है।

क्या कहता है कानून

हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के तहत- यदि कोई पुरुष बच्चा गोद लेता है, तो उसकी पत्नी की सहमति अनिवार्य है। गोद लेने की वास्तविक रस्म यानी देने और लेने का प्रमाण होना चाहिए, सिर्फ फोटो या कथन से गोदनामा साबित नहीं होता। इस मामले में न तो सहमति थी, न रस्म का स्पष्ट प्रमाण। इसलिए गोदनामा अवैध माना गया।

कोयंबटूर में ईसाई पादरी पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण का आरोप, पॉस्को एक्ट में गिरफ्तार

कोयंबटूर, एजेंसी

तमिलनाडु के कोयंबटूर पुलिस ने एक ईसाई पादरी जॉन जेबराज (32) को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया है। जॉन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। धर्मोपदेश देता था। पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब पीड़ित लड़कियों के माता-पिता ने कोयंबटूर सेंट्रल ऑल विमेन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। शिकायत में कहा गया कि

जॉन ने लगभग 11 महीने पहले कोयंबटूर के जी.एन. मिल्स इलाके में अपने घर पर आयोजित एक समारोह के दौरान 17 वर्षीय और 14 वर्षीय दो लड़कियों का यौन शोषण किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और जॉन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। जॉन की तलाश के लिए पुलिस ने एक विशेष बल का गठन किया। जांच के दौरान पता चला कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए तमिलनाडु-केरल सीमा पर मुन्नार इलाके में छिपा हुआ था।

ट्रंप के ताजा आदेश से अप्रवासियों की और बढ़ी मुश्किलें, अब 24 घंटे पहचान पत्र रखना हुआ जरूरी

वाशिंगटन, एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम से अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। दरअसल अब सभी अप्रवासियों को 24 घंटे अपने कानूनी दस्तावेज और पहचान पत्र साथ रखने होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का नया कार्यकारी आदेश अतिक्रमण से अमेरिकी लोगों की सुरक्षा 11 अप्रैल से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को पकड़ना और उन्हें निर्वासित करना है। अमेरिका में एलियन रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट कानून साल 1940 से मौजूद है, जिसके तहत अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासियों को पंजीकरण कराना होता है, लेकिन अभी तक इस कानून का सख्ती से पालन नहीं हो रहा था। अब ट्रंप के नए कार्यकारी आदेश के बाद इस कानून का सख्ती से पालन किया जाएगा।

व्हाइट हाउस की सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान जारी कर कहा है कि सभी अवैध अप्रवासी, जो 30 दिन से ज्यादा अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें खुद को संघीय सरकार के समक्ष पंजीकृत कराना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और जुर्माना लगाकर निर्वासित कर दिया जाएगा।

डिजिटल अरेस्ट: वाइस चांसलर से ईडी अफसर बनकर ठगे 14 लाख, 2 अरेस्ट

अहमदाबाद, एजेंसी

ओडिशा के प्रसिद्ध बेरहामपुर विश्वविद्यालय की कुलपति गीतांजलि दास साइबर ठगी का शिकार हो गई। आरोपियों ने खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बताकर उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' में डाल दिया और 14 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया है। घटना फरवरी महीने की है। 14 फरवरी से

22 फरवरी तक, वीसी गीतांजलि दास को लगातार कॉल कर यह दावा किया गया कि वे मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसी हैं और जांच के लिए उन्हें अपना सारा पैसा ट्रांसफर करना होगा। डर और भ्रम की स्थिति में आकर दास ने कुल 14 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ दिन बाद ठगों ने उन्हें 80 हजार रुपये वापस किए और भरोसा दिलाया कि बाकी रकम जांच पूरी होने के बाद लौटा दी जाएगी।

शेख हसीना, बहन रेहाना और भतीजी रिजवाना के गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भ्रष्टाचार के एक और मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और भतीजी व ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीकी समेत 50 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दायर तीन अलग-अलग आरोपपत्रों पर विचार करने के बाद यह आदेश जारी किया।

टैरिफ युद्ध: विदेशी निवेशकों ने अप्रैल में बाजार से निकाले 31 हजार करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी। अमेरिका द्वारा कई देशों पर टैरिफ लगाए जाने और अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ युद्ध को लेकर दुनियाभर के बाजारों में अस्थिरता का दौर चल रहा है। इस बीच अप्रैल माह में भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों ने 31,575 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। वहीं 21 मार्च से 28 मार्च के बीच छह ट्रेडिंग सेशन में करीब 30,927 करोड़ रुपये का निवेश भी आया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस निवेश से मार्च में कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रह गई।

फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे। जनवरी में तो विदेशी निवेशकों ने 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। निवेशकों की धारणा में यह बदलाव वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और गतिशीलता को दर्शाता है।

बंगाल में हिंसा के बीच 500 लोगों का पलायन, नदी पार मालदा में ली शरण

मुर्शिदाबाद, एजेंसी

वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। गाड़ियां जलाई, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है।

केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। इनमें 300 बीएसएफ जवान हैं। कुल 21 कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बैन है। बीएनएस की धारा 163 भी लागू है। इधर, मुर्शिदाबाद के धुलियान से करीब 500 लोग पलायन कर गए हैं। इन सभी ने नदी पार मालदा के वैष्णवनगर में एक स्कूल में शरण ली है। इन लोगों का आरोप है कि उनके घरों में तोड़फोड़-आगजनी की गई। पीने के पानी में जहर मिला दिया गया है। ये किसी तरह बीएसएफ की मदद से वहां से बचकर आए हैं। वहीं, नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने एक बैठक की।

विजय मत एंकर 20 से कम उम्र के आर्थराइटिस और हड्डियों में दर्द की शिकायत वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही

चिंतनीय : देश का हर पांचवां व्यक्ति विटामिन डी की कमी से जूझ रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

आहार और लाइफस्टाइल की गड़बड़ी ने कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को काफी बढ़ा दिया है। जो बीमारियां दो-तीन दशकों पहले तक 50-60 की उम्र के बाद देखी जाती थीं, उनका खतरा अब युवाओं में भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। अब 20 की उम्र में भी हड्डियों से संबंधित समस्याओं के मामले काफी बढ़ गए हैं। अस्पतालों की ओपीडी में 20 से कम उम्र के आर्थराइटिस और हड्डियों में

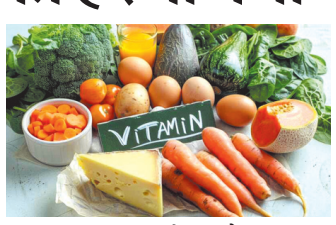

दर्द की शिकायत वाले मरीजों की संख्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके लिए आहार और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के साथ विटामिन-डी की बढ़ती कमी को प्रमुख कारण मानते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि शहरीकरण, बढ़ते प्रदूषण और आधुनिक जीवनशैली जैसे कारकों के चलते विटामिन-डी की कमी वाले रोगियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) की ओर से प्रस्तुत आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर पांच में से एक व्यक्ति में विटामिन-डी की कमी देखी जा रही है।

अध्ययन में क्या पता चला

साइंस नेचर जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत, पाकिस्तान, ट्यूनीशिया, अफगानिस्तान और अफ्रीकी देशों में कुल आबादी के लगभग 45 फीसदी लोग विटामिन डी की कमी से जूझ रहे थे। वहीं 2022 में भारत के लगभग 49 करोड़ लोग विटामिन-डी की कमी से ग्रस्त थे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने कहा कि ये कमी सिर्फ हड्डियों की कमजोरी या फिर ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है, विटामिन-डी की कमी कई अन्य प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों के खतरे को बढ़ा देती है। जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है उनमें समय के साथ मांसपेशियों की कमजोरी, थकान, अवसाद, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज के साथ स्तन और प्रोस्टेट कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है।

कार्यालय: ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई ■ भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

जल आवर्धन पाइपलाइन की समस्या हुई दूर ,नगरवासियों को राहत मिलने की उम्मीद

कोरबा । कोरबा जिले में भीषण गर्मी के बीच नगरवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। पिछले कुछ दिनों से छुरीकला क्षेत्र में जल आवर्धन पाइपलाइन में उत्पन्न हुई जटिल समस्या को प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के सजग प्रयासों से सफलता पूर्वक हल कर लेना बताया जा रहा हैं। बताया जा रहा हैं की नगर की अध्यक्षा श्रीमती पद्मिनी देवांगन की तत्परता और विधायक प्रतिनिधि प्रीतम देवांगन की सतत मेहनत से यह सुधार कार्य समय पर पूर्ण किया गया हैं।जानकारी के अनुसार नगर में व्याप्त पेयजल संकट को देखते हुए युद्ध स्तर पर कार्य प्रारंभ किया गया, जिसमें नलजल विभाग की टीम विशेष रूप से सक्रिय रही। नीरज शर्मा और उनकी टीम ने दिन-रात मेहनत कर इस कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम दिया। प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई है कि 14 अप्रैल दोपहर से नियमित पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कर दी जाएगी, जिससे नगरवासियों को गर्मी में राहत मिलेगी।

पिकअप वाहन गिरी नहर में-2 महिलाएं सहित 3 बच्चे लापता

कोरबा ।कोरबा-चांपा मार्ग पर निर्मित जिले के प्रवेश द्वार मुकुंदपुर से मड़वारानी मार्ग पर एक हादसा हो गया। सक्ती जिले के ग्राम रेड़ागांव से

खरहरी की ओर जा रहा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में कई ग्रामीण सवार थे, जो किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्राम खरहरी जा रहे थे। हादसे के बाद कुछ लोग नहर से बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन 2 महिलाएं सहित 3 बच्चे लापता बताये जा रहे हैं।

उक्त घटना घटित होने के पश्चात पिकअप वाहन चालक घटना स्थल से फरार बताया जा रहा हैं। हादसे की सूचना मिलते ही कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के सहित घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं।

नशे के खिलाफ अभियान तेज, 15 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में जिले में मादक पदार्थों, अवैध शराब तथा अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर, यातायात एवं साइबर सेल प्रभारी रविंद्र कुमार मीना और नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्गदर्शन में विभिन्न पुलिस इकाइयों द्वारा सघन कार्रवाई की गई।थाना दर्री, दीपका, सीएसईबी, कोतवाली, कुसमुंडा और बांकीमोंगरा क्षेत्रों में कुल 12 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें चंदन चौहान, दीपक रोहिदास, राधे पांडे और पदम दास वैष्णव प्रमुख रूप से शामिल हैं, जबकि अन्य सभी आरोपी महिलाएं हैं।गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की गई और उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।इस अभियान के दौरान कुल 59 लीटर अवैध शराब और 430 ग्राम गांजा जब्त किया गया। कोरबा पुलिस का यह अभियान पूरी गंभीरता और सख्ती के साथ आगे भी जारी रहेगा।

मेरठ जैसी घटना छत्तीसगढ़ में भी: सरगुजा जिले के लुण्ड्रा थाना क्षेत्र की है बेवफाई और बर्बरता से जुड़ी ये वारदात

पति को नींद की गोली खिलाई, हाथ-पैर खाट से बांधे और कर दी हत्या,महिला गिरफ्तार

विजय मत, ब्यूरो सरगुजा।

यूपी उत्तर प्रदेश के मेरठ कांड की तरह ही छत्तीसगढ़ के सरगुजा में भी पति-पत्नी के रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। 5 साल की बच्ची के सामने महिला ने पति के हाथ-पैर बांधकर दुपट्टे से गला घोंट दिया। आरोप है कि पति को पत्नी की बेवफाई का पता चल गया था, जिसके बाद महिला ने पहले तो पति को नींद की गोली खिलाई, फिर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस के सामने इस पूरे मामले का खुलासा मासूम बेटी ने किया है।

बेवफाई और बर्बरता से जुड़ी ये घटना सरगुजा जिले के लुण्ड्रा थाना क्षेत्र की है। ग्राम पंचायत बकनाकला में मृतक मोहम्मद उम्मत (32 वर्ष) अपनी पत्नी मेहरून निशा और बेटी

के साथ रहता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मेहरून निशा का किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसकी जानकारी उसके पति मोहम्मद उम्मत को हो गई थी। इसी बात को लेकर घर में विवाद भी होता था। प्रेम प्रसंग में मशगूल मेहरून निशा को उसके पति द्वारा रोक-टोक पसंद नहीं थी। इसी वजह से उसने पति को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

नींद की गोली खिलाकर खाट से बांधे हाथ-पैर

घटना वाले दिन बेरहम पत्नी ने पति को नींद की ओवरडोज दवा खिलाई। इससे पति जब गहरी नींद में सो गया तो पत्नी ने पति के हाथ-पैर खाट से बांध दिए और फिर अपने दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। महिला जिस समय इस पूरी घटना को अंजाम दे रही थी, उस वक्त उसकी पांच साल की बेटी भी मौके पर ही थी। युवक की मौत के बाद महिला ने अपनी बेटी को लेकर बाहर से ताला बंद कर दिया और दूसरे घर में सोने चले गई।

5 साल की बच्ची ने किया खुलासा:

अगले दिन सुबह पांच वर्षीय बच्ची ने मां की करतूत उजागर की। पड़ोसियों ने बच्ची की बातों को सुनकर इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

वहीं पुलिस जांच में पता चला कि महिला का अवैध संबंध चल रहा था। पुलिस अब ये भी पता लगा रही है कि इस हत्याकांड में कहीं महिला का प्रेमी भी तो शामिल नहीं था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही आरोपी महिला को गिरफ्तार कर इस संबंध में पूछताछ कर रही हैं।

बागबाहरा मे महिला जिम का हुआ उद्घाटन

विजय मत, ब्यूरो बागबाहरा ।

बागबाहरा मे महिलाओं के लिए वार्ड 2 शांतिनगर मे महिला जिम का नपाध्यक्ष खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल उपाध्यक्ष देवेश साहू द्वारा उद्घाटन किया गया।

महिलाओं के लिए यह एक नई पहल है। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना और व्यायाम करना महिलाओं का भी अधिकार है । नगर मे जिम तो है लेकिन महिलाओं के लिए उतनी सुविधा नही है,युवा लड़किया भले जिमनेजियम जाती है लेकिन महिलाओं को सुविधा नही मील पाता बड़े शहरों मे देखा जाता है महिलाओं के लिए महिला जिम है लेकिन छोटे शहरों की महिलाओं को इसका सुविधा नही मीलता इस तरह की महिलाओं की असुविधा को दूर करने बागबाहरा नगर की महिलाओं के लिए नपाध्यक्ष व उपाध्यक्ष के द्वारा महिला जिम का सुविधा उपलब्ध कराया गया इस अवसर पर पार्षद गण प्रेम साहू,शैलेष साहू,शिवा जगत,मंता यादव,मिथुन अमीर,प्रीति महेन्द्र गुप्ता,सविता दिवान,थानूराम पांडे,रमेश ठाकुर, सहित पंकज हरपाल,फुलसिंह ध्रुव,बंशी चंद्राकर, अवध चंद्राकर,भाविक सार्वा,महेन्द्र गुप्ता एवं वार्ड की महिलाए उपस्थित रहे।

मंत्री की सख्ती के बाद पटरी पर लौट रही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था

खामियों को दूर करने कर रहे लगातार प्रयास: अविनाश खरे

विजय मत, ब्यूरो मनेंद्रगढ़।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल छत्तीसगढ़ शासन के प्रयास से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खरे के मार्गदर्शन एवं आदेश अनुसार पुनः सिजेरियन ऑपरेशन का प्रारंभ हुआ ।डॉ रश्मि कुमार स्त्री रोग विशेषज्ञ और डॉ मरावी निश्चेतना विशेषज्ञ के द्वारा 1 अप्रैल 2025 से आज दिनांक तक 6 सिजेरियन ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। जिसमे माता और शिशु दोनों स्वस्थ है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ पुष्पेंद्र कुमार सोनी नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में लगातार ऑपरेशन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अविनाश खरे के प्रयास से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में निशुल्क गर्भवती महिलाओं का ऑपरेशन किया जा रहा है। जननी सुरक्षा योजना के तहत मातृत्व एवं शिशु दोनों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल रहा है,ताकि उच्च जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं को समय पर ऑपरेशन हो सके और मातृत्व और शिशु दोनों स्वस्थ और कुशल रहे।अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में सिजेरियन ऑपरेशन निरंतर जारी रहेगा, जिससे कि उच्च जोखिम वाली गरीब वर्ग की गर्भवती महिलाओं को भी का लाभ देकर स्वास्थ्य लाभ दिया जा सके।

भारतीय जनता पार्टी का 45वां स्थापना दिवस मनाया गया, वरिष्ठ नागरिकों व कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

विजय मत, ब्यूरो मनेंद्रगढ़।

भारतीय जनता पार्टी के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा मनेन्द्रगढ़ मंडल द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 10 में वरिष्ठ नागरिकों और समर्पित कार्यकताओं के सम्मान में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों एवं पार्टी कार्यकताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।कार्यक्रम की शुरूआत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने भाजपा की विचारधारा, संगठनात्मक मजबूती और समाज सेवा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कार्यकताओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, मंडल अध्यक्ष रोहित वर्मा, पूर्व पार्षद सरजू यादव, तथा वार्ड पार्षद श्रीमती नीलू

जायसवाल ने भी अपने-अपने विचार रखे एवं पार्टी की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों मनी चंद्र ताम्रकार,पवन पोद्दार,छकौड़ी लाल केशरवानी, संदीप दुआ, अनुपमा निशि, सतीश उपाध्याय, शकुंतला जायसवाल, लाला सोनी, पुरुसोत्तम गुप्ता, राम प्रसाद नामदेव, माधव प्रसाद ताम्रकार, संतोष जैन, मुनिया केवट, कलावती केवट, कमली बाई,को अंगवस्त्र व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही वृद्धाश्रम में जाकर स्वल्पाहार व फल वितरण कर सेवा कार्यों को भी प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और स्थापना दिवस सप्ताह को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया।

मंडल अध्यक्ष रोहित वर्मा ने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है और यह कार्यकताओं के समर्पण, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति का परिणाम है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे ह्यसेवा, संगठन और समर्पणह्ण के मंत्र को आत्मसात करें।

कार्यक्रम का समापन सभी कार्यकताओं द्वारा संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने के संकल्प के साथ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन रामचरित द्विवेदी ने किया. कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक जायसवाल, महामंत्री विवेक अग्रवाल, विनीत जायसवाल, आकाश दुआ, पूर्व पार्षद रामधुन जायसवाल, नीरज अग्रवाल, बृजेश जायसवाल राहुल अग्रवाल, ऋतु दुआ , प्रदीप केसरवानी,संतोष केसरवानी समेत वार्ड वासी काफी संख्या में मौजूद रहे.

बीएसपी में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस व अम्बेडकर जयंती का आयोजन

विजय मत, ब्यूरो भिलाई नगर ।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस तथा संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण करने अम्बेडकर जयंती का आयोजन किया जाता है। भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन केन्द्र परिसर में 14 अप्रैल 2025 को प्रातः 09:00 बजे से राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस का भव्य आयोजन भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथ्य में किया जाएगा। मुख्य अतिथि, अग्निशमन जवानों के द्वारा की जाने वाली शानदार परेड की सलामी लेंगे। साथ ही परेड से पहले अग्निशमन जवानों द्वारा देश और संयंत्र के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण से कार्य करने की शपथ ली जाएगी। प्रातः 9:00 बजे से आयोजित इस समारोह में अग्निशमन जवानों की शानदार परेड, अग्निशमन वाहनों, यंत्रों और सुरक्षा उपकरणों का बेहतरीन प्रदर्शन समारोह का विशेश आकर्षण होगा। साथ ही सेक्टर-6 स्थित बीएसपी हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रातः 9:00 बजे बाबासाहब डॉ भीमराव अम्बेडकर को संयंत्र बिरादरी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी व उसके उपरान्त अंबेडकर जयंती का मुख्य कार्यक्रम कलामंदिर सभागार में सम्पन्न होगा।गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर पूरे देश में 14 अप्रैल को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस की थीम "एकजुट हों, अह्निसुरक्षित भारत को प्रज्ज्वलित करें" है। इस दिन अग्नि सुरक्षा के प्रति जनता में जागरूकता पैदा करने हेतु अनेक कार्यक्रम चलाए जाते हैं।भिलाई अग्निशमन सेवा अपनी कार्य कुशलता और निपुणता को बरकरार रखते हुए आज देश के श्रेष्ठ औद्योगिक अग्निशमन सेवाओं में से एक है।

स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति द्वारा हरा भरा ,स्वच्छ धरा उद्देश्य को लेकर लगातार 110 वें सप्ताह स्वच्छता अभियान

संरक्षक बिरेंद्र देशमुख के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम

विजय मत, ब्यूरो बालोद।

स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति,छत्तीसगढ़ की टीम द्वारा हरा भरा ,स्वच्छ धरा उद्देश्य को लेकर लगातार 110 वें सप्ताह पर समिति के संरक्षक बिरेंद्र देशमुख एवं संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल के मार्गदर्शन पर हुडको तालाब, भिलाई नगर में जल संरक्षण (पत्रिका अमृतम जलम अभियान),पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत साफ सफाई कर झिल्ली , डिस्पोजल, प्लास्टिक बोतल आदि को एकत्रित कर निर्धारित स्थान पर डंप किया एवं तालाब के घाट एवं पानी में तैरते झिल्ली, डिस्पोजल, पानी पाउच को निकाल कर साफ-सफाई की गई।पूर्व में लगे फूल, फलदार,छायादार पीपल के पौधों के आसपास गाजर घास, अनावश्यक खरपतवार उगे थे उनको साफ-सफाई करके

पौधों को पानी देकर उचित देखभाल की गई।स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल ने कहा कि हमारी समिति को लोगों को जल संरक्षण,संरक्षण,पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए जागरूक करते हुए दो वर्ष पूर्ण हो गए हैं, हम यही चाहते हैं कि पानी अनमोल है इसे व्यर्थ न बहाएं, तालाब, नदी, बांध में अगर हमेशा पानी भरा रहेगा तो आसपास के जगहों का वाटर लेवल कम नहीं होगा। अभी सरकार जगह जगह तालाबों, बांधों में पानी भर रही है इसके पानी को हम सभी को साफ सुथरा एवं संरक्षित रखना है। स्वच्छ धरा सदस्य श्रीमती श्वेता जैन ने कहा कि सरकार भी स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक कर रही है। इसके लिए जगह जगह डस्टबिन रखे हुए हैं, जगह जगह शौचालय का निर्माण भी किया गया है, जगह जगह पौधारोपण किए हैं।हम आम जनता से यही अपील करते हैं कि आप लोग भी सफाई के लिए डस्टबिन का उपयोग करें एवं अपने शौचालय का उपयोग करें खुले में शौच न करें ना ही कराएं ,न किसी को करने दें।गंदगी ना फैलाएं स्वच्छता बनाए रखें। पेड़ पौधे को नुकसान न करें।इस अवसर पर स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति, छत्तीसगढ़ संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल, प्रदेश संयुक्त सचिव सुरेंद्र साहू, श्वेता जैन, टीनल हरदेल, उमेद साहू, निकिता शिंगणे, महेंद्र यादव, भानु शंकर बेलचंदन, चंन्द्रहास चंद्राकर, भानुसिंह साहू शामिल हुए।

गंभीर जल संकट से जूझ रहे रेलवे बस्तीवासी

विजय मत, ब्यूरो भिलाई नगर ।

भिलाई नगर रेलवे स्टेशन की बस्ती में लोग गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। यहां के सारे बोर सूख चुके हैं और नल भी खराब हैं। करीब 4 हजार की आबादी हफ्ते भर से पानी को लेकर परेशान हैं। स्थानीय मोहल्लेवासियों के मुताबिक निगम का टैंकर आता है तो यहां पानी के लिए मारामारी मच जाती है। यहां के रहवासी सुलोचना सोनानी, वर्षा सोनानी, खिरो जाल, दिव्या जाल, बेला बाई, नुनकी, पूनम महतो, सीमा महतो, मीना बघेल, लक्ष्मी सोनानी, मंजू बाघ, गुढ़ी दीप, शीला, पुष्पा निषाद, प्रीति, निधि, ममता, विमला निषाद ,कंचन बाई, कुंती बाई, रीता देवी, आर. वरलक्ष्मी, रीता साहू, सरिता सोनकर, शिववती, रानी, सरिता, ऋतु और रेणुका का कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी गुहार लगा चुके हैं लेकिन अभी तक राहत नहीं मिली है।

खास-खबर नगर निगम ने 10 से ज्यादा नोटिस की अनदेखी के बाद की कार्रवाई, प्रभावितों में हड़कंप

खुर्सीपार में गौतम नगर के 53 अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

विजय मत, ब्यूरो भिलाई नगर ।

भिलाई नगर निगम के खुसीपार जोन अंतर्गत वार्ड 42 गौतम नगर में आज अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सुबह सुबह पहुंची नगर निगम की टीम ने यहां पहले से चिन्हित 53 अवैध कब्जे को जेसीबी वाहन चलाकर ध्वस्त करना शुरू कर दिया। लोगों ने यहां सीवरेज लाइन के ऊपर कब्जा कर अपना आशियाना बना लिया था। लोगों को अपना अवैध कब्जा हटाने लगभग 10 से भी ज्यादा नोटिस दी जा चुकी थी। नोटिस की बारंबार अनदेखी के चलते निगम की टीम ने आज सख्ती दिखाते हुए तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दिया।

रविवार सुबह से निगम की टीम गौतम नगर के मेन सीवरेज लाइन के ऊपर बने 53 घरों को तोड़ने पहुंची है। इससे प्रभावित इलाके के रहवासियों में अफरा-तफरी मची गई।निगम के अधिकारियों ने पहले ही गौतम नगर में बुलडोजर चलाने की योजना तय कर ली थी। योजना के तहत उन्होंने तहसीलदार और पुलिस प्रशासन को भी बुला लिया था। पूरी टीम

सुबह 8 बजे गौतम नगर पहुंच गई थी। मकान तोड़ने के दौरान लोग सड़क पर उतरे, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने विरोध करने नहीं दिया।

खुसीपार वार्ड 42 के पार्षद विनोद सिंह ने बताया कि वहां नाले और मेन सीवरेज लाइन के ऊपर 250 से ज्यादा घर अतिक्रमण करके बना लिए गए हैं। निगम ने उन लोगों को 10 से ज्यादा बार नोटिस दिया है। इसके बाद भी लोग अतिक्रमण खाली नहीं कर रहे थे। इसके बाद कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक निगम की टीम मेन सीवरेज लाइन को क्लियर करने के लिए इसके दोनों तरफ 5-5 फीट एरिया में हुए अतिक्रमण को तोड़ने की योजना बना चुका है। अतिक्रमण हटाने के बाद इस नाले और सीवरेज लाइन को बनाया जाएगा। पार्षद विनोद सिंह का कहना है कि मेन सीवरेज लाइन एक बार बन गई तो खुसीपार की सीवरेज की समस्या आने वाले 50 सालों के लिए खत्म हो जाएगी। गौरतलब रहे कि सीवरेज लाइन और नाले में अतिक्रमण होने से

तोड़े जाने हैं दो सौ के लगभग मकान

नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने का काम खुसीपार जोन 1 से शुरू किया है। यहां करीब 53 मकान आज तोड़ने का लक्ष्य रखा गया। इसके बाद जोन 2 में करीब 80 घर और जोन तीन में 70-80 घर मिलाकर कुल 200 से ज्यादा अवैध कब्जा वाले मकानों को तोड़ा जाएगा। ये सभी मकान मेन सीवरेज लाइन के ऊपर बने हुए हैं। अतिक्रमण हटाने के बाद सीवरेज लाइन का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

सबसे अधिक समस्या बारिश में होती है। यहां पानी का सही बहाव न होने से पानी लोगों के घरों के अंदर तक घुस जाता है।

यहां की सड़कें पानी में डूब जाती हैं। इससे लोगों को काफी परेशानी होती है। वहीं नाले का पानी पेय जलापूर्ति वाले पाइप लाइन में प्रवेश करने से आए दिन पीलिया और डायरिया जैसी संक्रामक बीमारी गौतम नगर इलाके में फैल जाती है।

न्यूज इन शॉर्ट

दोपहिया वाहन चोरी करने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर। प्रार्थी अजय कुमार ध्रुव ने थाना सिविल लाईन में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 04.04.25 को रोज की तरह वह अपनी मोटर सायकल क्रमांक सी जी 04 एन बी 4317 को श्याम प्लाजा के सामने खडी कर अंदर अपने आफिस चला गया था। दोपहर में वापस आकर देखा तो उसकी मोटर सायकल खड़ी किये गये स्थान पर नहीं था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी की खड़ी उक्त मोटर सायकल को चोरी कर ले गया, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 144/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार दिनांक 26.03.25 को सिविल लाईन क्षेत्रातंर्गत पंडरी स्थित अशोका हॉस्पिटल के सामने से प्रार्थी लोकेश माहेश्वरी की खड़ी मोटर सायकल क्रमांक सी जी 04 एन एल 5931 को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 146/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना सिविल लाईन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थियों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर भी लगाये गये। तकनीकी विश्लेषणों सहित अन्य माध्यमों से लगातार अज्ञात आरोपी की पतासाजी की जा रहीं थी, इसी दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त आरोपी पंडरी निवासी बसंत कुमार साहू के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा बसंत कुमार साहू को पकड़कर वाहन चोरी की उक्त घटनाओं के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा वाहन चोरी की उक्त घटनाओं को अंजाम देना बताया गया। जिस पर आरोपी बसंत कुमार साहू को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 02 मोटर सायकल क्रमांक सी जी 04 एन बी 4317 एवं सी जी 04 एन एल 5931 जुमला कीमती लगभग 80,000/- रुपए जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। गिरफ्तार आरोपी- बसंत कुमार साहू पिता स्व. भोलाराम साहू उम्र 24 साल निवासी अरिहंत अस्पताल के पास, दुबे कालोनी, थाना पंडरी रायपुर।

रायपुर में स्वास्थ्यकर्मी के साथ ठगी

रायपुर । शातिर ठग ने करीब 2 लाख 75 हजार रुपए भेजकर 33 लाख की ठगी की है। सरकारी कर्मचारी और उसकी पत्नी को शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का लालच देकर फंसाया था। मुनाफे के भेजे पैसे भी केरल में किए गए फ्रॉड के हैं, इसलिए केरल पुलिस ने पीड़ित के अकाउंट को फ्रिज कर दिया। अब पीड़ित स्वास्थ्यकर्मी अपने अकाउंट को अन-फ्रीज कराने के लिए भटक रहा है। उसने मोवा पुलिस को शिकायत दी है, जिसमें अपने साथ ठगी की वारदात के बारे में बताया है।

मोवा थाना प्रभारी कमलेश देवांगन ने बताया कि दलदल सिवनी निवासी मनोज कुमार स्वास्थ्य विभाग में काम करते हैं। वॉट्सऐप नंबर पर ठग ने खुद को का एजेंट बताकर संपर्क किया। उन्हें एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जिसमें पहले से कई लोग शामिल थे। ग्रुप में शेयर मार्केट में मुनाफे की गारंटी देने का दावा किया गया, जिसके बाद झांसे में आकर उन्होंने 7 अक्टूबर 2024 को अपनी पत्नी के एचडीएफसी खाते से यूको बैंक के एक खाते में 2 लाख रुपए ट्रांसफर किए। इसके तीन दिन बाद 2.75 लाख रुपए मुनाफे के रूप में वापस आए, जिससे उन्हें भरोसा हो गया।

सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाकर किया जंगी प्रदर्शन, समस्याओं के निराकरण की मांग

मांगों को लेकर सड़क पर उतरे 52 अनियमित संघो के कर्मचारी

विजय मत,रायपुर।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों के (1) नियमितीकरण/स्थायीकरण, (2) निकाले गए कर्मचारियों की बहाली, (3) न्यून मानदेय कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दिए जाने, (4) अंशकालीन कर्मचारियों को पूर्णकालीन करने, (5) आउट सोर्सिंग/ठेका/सेवा प्रदाता/समूह-समिति के माध्यम से नियोजन सिस्टम बंद करने को लेकर अनियमित कर्मचारी 13 अप्रैल 2025 रविवार को तुता नवा रायपुर में जंगी प्रदर्शन एवं मुख्यमंत्री निवास घेराव के लिए निकला जिसे पुलिस रेलवे लाइन के पास रोक दिया प्रदेश के 52 अनियमित संघों के 10 हजार से अनिक अनियमित कर्मचारियों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदेश अध्यक्ष गोपाल प्रसाद साहू ने कहा कि राज्यसरकार अनियमित कर्मचारियों के समस्या को शीघ्र हल करने की दिशा में पहल नहीं करती है तो जुलाई में अनिश्चित कालीन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी जब विपक्ष में थी तो उनके अनेक वरिष्ठ नेता/जनप्रतिनिधियों ने हमारे मंच में आकर हमारी समस्याओं को सुना एवं अनियमित कर्मचारियों की समस्याओं को भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर इनका यथाशीघ्र निराकरण करने की बात कही थी

तथा छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी 2023 पत्र के वचनबद्ध सुशासन अंतर्गत बिंदु क्र. 2 में एक कमिटी गठित कर कमेटी में अनियमित कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए समीक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करने का उल्लेख किया है लेकिन कमेटी गठन आदेश अनियमित कर्मचारियों का कोई उल्लेख नहीं होने एवं कमिटी में अनियमित संघो के पदाधिकारियों को सम्मिलित नहीं करने से विरोधाभाष है

सरकार इन 1.5 वर्ष वर्षों में अनियमित कर्मचारियों के कुछ नहीं कियो वादा के विपरीत अनियमित कर्मचारियों की छटनी की जा रही है, अनेक विभागों में वेतन लंबित है, संविदा वेतन अनुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है, न्यूनतम वेतन में विगत 8 वर्षों से वृद्धि नहीं की गई है, अनेक विभाग में श्रम सम्मान राशी नहीं दी जा रही है ।

अनियमित संघो के पदाधिकारियों ने अपने मांगो/समस्याओं को लेकर निरंतर आवेदन निवेदन करते आ रहे है, साय सरकार से काफी उम्मीद था परन्तु सरकार अनदेखी से अनियमित कर्मचारी आहत एवं आक्रोशित है

खमतराई ओव्हर ब्रिज के पास बाइक बेचने खड़ा था युवक, चोर गैंग का हुआ भंडाफोड़

विजय मत, रायपुर।

एक युवक खमतराई ओव्हर ब्रिज के पास बाइक बेचने खड़ा था, जिसके पकड़े जाने पर चोर गैंग का भंडाफोड़ हो गया। मोबिन खान पिता फरीद खान उम्र-28 वर्ष निवासी धनलक्ष्मी नगर भनपुरी रिपोर्ट दर्ज कराया कि उनके मोटर सायकल टीव्हीएस रायडर क्रमांक सीजी 04 एनटी 4342 को धनलक्ष्मी नगर भनपुरी से कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लेने जाने की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 100/2025 धारा-303 (2) बीएनएस दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रार्थी विकास सिंह पिता राजपति सिंह उम्र 36 वर्ष निवासी उरकुरा रायपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया है कि दिनांक 06.04.2025 को अपनी मोटर सायकल होण्डा साईन कमांक सीजी 04 एमयू 6260 को विकास रोडलाईन भनपुरी के पास खड़ी किया था, जिसे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अपराध कमांक 339/2025 धारा-303(2) बीएनएस दर्ज कर विवेचना में लिया गया।विवेचना दौरान मुखबीर से सूचना मिली की एक लड़का खमतराई ओव्हर ब्रिज के पास मोटर सायकल बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश कर रहे है कि सूचना तत्काल मुखबीर के बताये हुलिये के लड़के के पकड़कर कड़ाई से पुछताछ करने पर अपना नाम पवन चन्द्राकर पिता पुनीत चन्द्राकर उम्र-19 वर्ष निवासी रामेश्वर नगर भनपुरी बताया जो अपने साथी हिमांशु, साहिल व विधि के साथ संघर्षरत बालक के साथ मिलकर धनलक्ष्मी नगर भनपुरी से मोटर सायकल टीव्हीएस बीएनएस एवं अपराध क्रमांक 339/2025 धारा-303(2) बीएनएस दर्ज प्रकरण में बरामद किया गया है। आरोपियों द्वारा अन्य 06 मोटर सायकल को अलग-अलग स्थानों से चोरी करना बताये है।

रायपुर में बैंक से नीलाम जमीन निकली फर्जी, बैंक अफसरों पर धोखाधड़ी का आरोप

- पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, मौके में नहीं मिली जमीन
- जमीन के कब्जेदार और राजस्व रिकॉर्ड में सामने आए अन्य लोगों के नाम

विजय मत,रायपुर।

रायपुर में आईडी एफसी फर्स्ट बैंक के अधिकारियों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन बेचने का आरोप है। पीड़ित का कहना है कि बैंक ने समाचार पत्र में विज्ञापन देकर दो जमीन की ई नीलामी बताई थी। उसने नीलामी में बोली लगाई और जमीन के लिए 5.52 लाख रुपए जमा किए। लेकिन मौके में कहीं भी जमीन नहीं मिली। इस मामले में डीडी नगर थाने में शिकायत दर्ज हुई है। नवनीत चौरसिया ने पुलिस को बताया कि, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने एक विज्ञापन जारी किया था। जिसमें खसरा नंबर के साथ जमीन की नीलामी की गई। उसने नीलामी की रकम भरकर जमीन जीत ली। लेकिन मौके पर उसे जमीन नहीं मिली। इस संबंध में 28 फरवरी 2023 को बैंक में एक एग्रीमेंट भी किया था। लेकिन जमीन के कब्जेदार और राजस्व रिकॉर्ड में अन्य लोगों के नाम सामने आए।आरोप है कि नवनीत ने बैंक से संपर्क किया तो बैंक अधिकारियों ने दस्तावेज देने से इनकार कर दिया और गुमराह किया। अब न्यायालय के आदेश पर डीडी नगर थाने में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ऋण वसूली प्रभाग अधिकारी, स्वपानिल पाण्डेय व विनय सोनी समेत अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआहै। फिलहाल इस मामले में पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही हैं।

होमियोपैथी के जनक डॉ हनीमैन के जन्मदिवस पर डॉ उत्कर्ष त्रिवेदी का जर्मनी में हुआ सम्मान

विजय मत,रायपुर।

छत्तीसगढ़ महतारी के लाडले बेटे डॉ उत्कर्ष त्रिवेदी को होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में उनके अनुसंधान और नवाचारों के लिए जर्मनी में सम्मानित किया गया । इस होमियोपैथी समिट कार्यक्रम देश विदेश से 100 चिकित्सक उपस्थित रहे और छत्तीसगढ़ से एक मात्र होमियोपैथिक चिकित्सक रूप में डॉ उत्कर्ष त्रिवेदी को शामिल किया गया।दरअसल होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी को जर्मनी के प्रतिष्ठित सम्मान से होमियोपैथी के जनक डॉ हनीमैन के जन्मदिवस के अवसर पर नवाजा गया साथ उन्हें होमियोपैथी की जन्मस्थली कोथेंन में जाने का अवसर मिला। यह सम्मान उन्हें होम्योपैथिक उपचार पद्धति में उनके अनुसंधान, नवाचार और रोगियों को दी गई प्रभावी चिकित्सा व कोरोना काल में किए गए मरीजों की सेवाओं व आश्चर्यचकित परिणाम के लिए प्रदान किया गया। इस कार्यकम में सीरिया ,दुबई ,अमेरिका ,ऑस्ट्रेलिया ,जर्मनी व अन्य देशों के चिकित्सक शामिल थे।

गर्मी में पक्षियों की मदद के लिए मनोहरा में नि:शुल्क मिल रहे मिट्टी के पात्र

विजय मत,रायपुर।

गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच बेजुबान पक्षियों के लिए राहत भरी खबर है। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने एक सराहनीय पहल करते हुए पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था को लेकर मुफ्त मिट्टी के पात्र वितरित करने की शुरूआत की है।हर साल की तरह इस बार भी मनोहर गौशाला द्वारा पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था का अभियान चलाया जा रहा है। मिट्टी के यह पात्र राजधानी स्थित मनोहरा साड़ी शॉप क्रमांक-2, क्लाथ मार्केट पंडरी, और मनोहर गौशाला, धरमपुरा रोड, खैरागढ़ में निशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं।जहां एक ओर इंसानों के लिए जगह-जगह प्याऊ और पानी की सुविधा उपलब्ध होती है, वहीं पशु-पक्षियों को अब भी पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

ऐसे में इस अभियान के जरिए लोगों से अपील की गई है कि वे इन पात्रों को अपने घर या आसपास रखें और नियमित रूप से उसमें पानी भरकर पक्षियों की प्यास बुझाने में योगदान दें। इस पहल का मकसद सिर्फ राहत देना नहीं, बल्कि लोगों को भी इस जिम्मेदारी का एहसास कराना है कि प्रकृति और उसके जीवों के प्रति हमारा भी फर्ज बनता है।

स्कूटी में बैठकर निकले नगर निगम आयुक्त ने किया वार्ड का निरीक्षण

राजातालाब में फैली जलकुंभी-गंदगी के सफाई के निर्देश, नई योजनाओं का लिया जायजा

विजय मत,रायपुर।

रायपुर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने रविवार को पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्रमांक 34 का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड में चल रही और प्रस्तावित नई योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान वार्ड पार्षद आकाश तिवारी उनके साथ मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान पार्षद आकाश तिवारी ने ऐतिहासिक राजातालाब में फैली जलकुंभी और गंदगी की सफाई की मांग की, जिसे आयुक्त ने गंभीरता से लिया। आयुक्त ने तालाब की तली तक सफाई करवाने के निर्देश दिए।इसके साथ ही अरमान नाला की सफाई, बाउंड्रीवॉल निर्माण और तली की सफाई, इंद्रावती कॉलोनी के नाले की सफाई और नवनिर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। पार्षद के सुझावों पर आयुक्त ने तत्काल जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव को सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।खास बात यह रही कि आयुक्त विश्वदीप स्वयं एक्टिवा में बैठकर पार्षद आकाश तिवारी के साथ राजातालाब, अरमान नाला और इंद्रावती गार्डन पहुंचे। उन्होंने नई बस्ती इलाके का भी निरीक्षण किया, जहां पिछले 30 वर्षों से जलभराव की समस्या बनी हुई है।इस मौके पर जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव, ईई शेखर, जेडएचओ चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

नवा रायपुर में स्थापित होगी राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी

विजय मत,रायपुर।

नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक तीरंदाजी अकादमी की स्थापना होने जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के मार्गदर्शन और आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण ने लगभग 10.03 एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है। यह भूमि सेक्टर-33 के ग्राम उपरवारा क्षेत्र में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 40,614.216 वर्गमीटर है।

मिली जानकारी के अनुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 90 वर्षों की लीज पर भूमि प्रदान की जाएगी।

तीरंदाजी अकादमी के निर्माण में एनटीपीसी लिमिटेड अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) योजना के अंतर्गत वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यहां आउटडोर और वातानुकूलित इनडोर तीरंदाजी रेंज, हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग सेंटर, छात्रावास जैसे निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। अकादमी के बनने से नवा रायपुर न केवल खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाएगा, बल्कि यह देश के युवा तीरंदाजों के लिए एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र के रूप में उभरेगा।

यह पहल खेलों के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

खास खबर विद्यार्थियों और कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का उद्देश्य

रावतपुरा विवि में साइबर सुरक्षा और साइबर क्राइम पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

विजय मत,रायपुर।

रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा साइबर सुरक्षा और साइबर क्राइम पर जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के उपायों से परिचित कराना था। कार्यशाला में सिविल लाइन्स थाना प्रभारी रोहित मालेकर एवं एनआईटी रायपुर से डॉ. तीरथ प्रसाद साहू, एसोसिएट प्रोफेसर बतौर रिसोर्स पर्सन उपस्थित रहे। इस अवसर पर माननीय प्रो-चांसलर एस.एस. बजाज, माननीय कुलपति प्रो. एस.के. सिंह एवं फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के डीन प्रो. आर.आर.एल. बिराली जैसे विशिष्ट अतिथियों ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं राज्य गीत से हुई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने कहा, साइबर क्राइम तेजी से कई रूपों में विकसित हो रहा है। इसे रोकने के लिए तकनीकी जागरूकता और सतर्कता सबसे बेहतर उपाय हैं। प्रति-कुलाधिपति एस.एस. बजाज ने साइबर क्राइम से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को सतर्क और सजग रहने की सलाह दी। मालेकर ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा, साइबर सुरक्षा केवल एक तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। युवाओं को डिजिटल नैतिकता को अपनाना चाहिए। डॉ. साहू ने अपने तकनीकी सत्र में फिशिंग, डेटा चोरी, पासवर्ड सुरक्षा, सोशल मीडिया में सावधानियाँ और एथिकल हैकिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला समन्वयक प्रो. मिथीलेश सिंह ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक होते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का भी बोध कराते हैं। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत सूचनाप्रद, व्यावहारिक और प्रेरणादायी सिद्ध हुई, जिसे उन्होंने एक समयानुकूल और मूल्यवान पहल के रूप में सराहा।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी। साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

बाबा साहेब आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करता मध्यप्रदेश

क्रांतिदीप अलूने

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर मध्यप्रदेश में निवेश लाने के लिए अपने यूके-जर्मनी दौरे के बीच लंदन में उस स्थान पर पहुंचे जहां 1920 के दशक में डॉ. आंबेडकर ने निवास किया था। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। दरअसल भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक उद्घोषणा है, जो संविधान की मूल भावना, उद्देश्यों और आदर्शों को दर्शाती है। यह संविधान के उद्देश्यों की आधारशिला है। प्रस्तावना में समस्त नागरिकों के लिये सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प दिखाया गया है और प्रदेश उन संकल्पों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर भारत के महान विधिवेत्ता,एक दूरदर्शी चिंतक और समाज सुधारक थे। उन्होंने एक ऐसे राज्य की कल्पना की थी जो समानता, न्याय और मूलभूत अधिकारों को हर नागरिक के लिए सुनिश्चित करे। डॉ.आंबेडकर वंचितों, शोषितों, मजदूर, किसान, पिछड़े समाज और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित थे, उनका यह आग्रह देश के संविधान में भी दिखाई पड़ता है। डॉ. आंबेडकर के चिंतन और संघर्ष का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के साथ सभी का खुशहाल जीवन था। मध्यप्रदेश में बड़ी आबादी अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डॉ. आंबेडकर की संकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार वंचित और गरीब वर्गों के सर्वांगीण विकास और खुशहाल जीवन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

जयन्ती पर विशेष

मध्यप्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था और राज्य उनके विचारों को साकार करने वाली भूमि के रूप में पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जनकल्याणकारी कार्यों से यह सुनिश्चित किया है कि वंचित वर्गों के लिए संचालित कार्यक्रम और योजनाओं को डॉ. आंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहारिक जीवन और नीति निर्माण में भी उतारा जाए। भारत एक कल्याणकारी राज्य है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों, विशेष रूप से गरीब वर्ग के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं का लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चिंतन के अनुरूप 'सबका साथ और सबका विकास' को बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की है कि डॉ. आंबेडकर की जन्म स्थली महू में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ. आंबेडकर शिक्षा को जीवन का सबसे ताकतवर हथियार मानते थे। उनके लिए शिक्षा सिर्फ व्यक्तिगत तरक्की का साधन नहीं अपितु सामाजिक परिवर्तन, समानता और न्याय का रास्ता थी। उन्होंने शिक्षा को दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों के लिए मुक्ति का द्वार बताया था। उनका मानना था कि उच्च शिक्षा संस्थान वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विचारक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करते हैं। अब डॉ. आंबेडकर से प्रेरणा लेकर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस से उत्कृष्ट विद्यार्थी निकल सकेंगे। म.प्र. के महू में डॉ. आंबेडकर स्मारक के साथ कई अन्य स्थान भी हैं, जो उनके संघर्ष और योगदान को याद दिलाते हैं। यह स्थल पूरे देश के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत हैं। महू डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। देश विदेश से लाखों लोग यहां पर आते है। मध्यप्रदेश सरकार डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की स्मृति में पंच तीर्थों-उनके जन्म स्थान, दीक्षा स्थल, कर्मभूमि, शिक्षा स्थल और जहां उनका महा-परिनिर्वाण हुआ था। सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत इन पंच तीर्थों बाबा साहेब की जन्मस्थली महू, दीक्षा भूमि नागपुर, महा-परिनिर्वाण स्थली दिल्ली, चैत्य भूमि मुंबई और यूके के लंदन में स्थित पढ़ाई के समय का उनका निवास स्थल शामिल हैं। सागर जिले के करीब ढाई सौ वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र को प्रदेश का 25वाँ अभयारण्य घोषित किया है। संविधान के शिल्पकार डॉ.आंबेडकर के पर्यावरण संरक्षण के प्रति आग्रह को याद करते हुए अभयारण्य का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम से रखा गया है। अभयारण्य के गठन से वन एवं वन्य-प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन होगा। इस अभयारण्य से पारिस्थितिकीय तंत्र में खाद्य श्रृंखला सुदृढ़ होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। सेतु केवल दो स्थानों को जोड़ने वाली संरचना नहीं होती बल्कि यह संपर्क, विकास और विश्वास का प्रतीक होता है। देश के हृदय प्रदेश की राजधानी भोपाल के हृदय-स्थल कहे जाने वाले महाराणा प्रताप नगर में बने प्रदेश के सबसे (2.73 किमी) लंबे फ्लाई-ओवर का नामकरण बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेकता में एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है।समता और समानता के पैरोकार रहे डॉ.आंबेडकर के नाम पर राज्य सरकार ने किसानों की समृद्धि के लिए 'डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना' को मंजूरी दी। पशुपालन और डेयरी, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, अपितु आधुनिक भारत में भी एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है। पशुपालन एवं डेयरी और डॉ. भीमराव आंबेडकर का संबंध मुख्य रूप से समाज के आर्थिक उत्थान और सामाजिक न्याय से जुड़ा हुआ है। डॉ. आंबेडकर ने हमेशा सामाजिक और आर्थिक समानता की बात की और समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया। पशुपालन और डेयरी उद्योग को उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा, विशेष रूप से दलित, जनजातीय और पिछड़े समुदायों के लिए। डॉ. आंबेडकर ने समाज में समानता और सशक्तिकरण के लिए जो मार्गदर्शन दिया, वह मध्यप्रदेश में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो, इसके लिए राज्य सरकार लोक-कल्याण के व्यापक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, डॉ.आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करते हुए सुशासित प्रदेश की अवधारणा पर प्रदेश के विकास को तीव्र गति से आगे बढ़ा रहे है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में समान अवसर और समावेशी विकास की योजनाओं ने उसे एक सशक्त और प्रगतिशील राज्य बना दिया है। मध्यप्रदेश डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है।

लेखक- मप्र जनसंपर्क में अधिकारी हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

कांग्रेस को दुश्मनों की क्या जरूरत खुद ही काफी है

दिलीप कुमार पाठक

कांग्रेस पार्टी को दुश्मन की क्या आवश्यकता जब पार्टी ही में ऐसे नेता है जो कांग्रेस पार्टी को अंदर से खोखला कर रहे हैं तो दुश्मनों की क्या ही आवश्यकता? पार्टी को रसातल में ले जाने के लिए वे ही काफी हैं कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे नेताओं को पार्टी से बाहर निकालने की बजाय पार्टी उनके चुंगल में फंसती चली जा रही है कांग्रेस पार्टी का अभी एक मामला सामने आया है कांग्रेस ने अपने तेज तर्रार प्रवक्ता आलोक शर्मा को सचिव पद से मुक्त कर दिया है, हालांकि प्रवक्ता बने रहेंगे जबकि आलोक शर्मा का बैकग्राउंड देखें तो वह टीवी पर कांग्रेस का मज़बूती एवं तार्किकता से पक्ष रखते हुए दिखाई देते हैं कांग्रेस के अपने नेताओं को डिफेंड करते हैं अपनी पार्टी के लिए लड़ते दिखाई देते हैं अपना पक्ष बिना डरे मजबूती के साथ रखते हैं, लेकिन उनको ही बाहर निकाल दिया गया, इससे कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं में क्या संदेश जाएगा? कांग्रेस नेताओं की पार्टी है या कार्यकर्ताओं की? वैसे भी कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं से ज़्यादा नेताओं की भरमार है राहुल गांधी सभाओं में तकरीरें करते हैं कि हम ऐसे नेताओ को बाहर निकाल फेंकेंगे जो पार्टी के अंदर रहकर नुकसान पंहुचाने का प्रयास करते हैं कांग्रेस पार्टी आजकल ऐसे नेताओं से घिरी हुई है जो कांग्रेस को नीचे ही ले जाएंगे। कांग्रेस अपने शुभचिंतको एवं पार्टी के बंटाधार करने वालों को पहिचान नहीं कर पा रही है पार्टी में ऐसे - ऐसे बयान बहादुर हैं जो हमेशा अपनी जुबान जब खोलेंगे कांग्रेस का नुकसान ही करेंगे राजीव गांधी, सोनिया गांधी के दौर के नेताओ को जनता पहले ही बहुत नकार चुकी है, कितना झेल पाएगी... अब बस कर दीजिए एक नई पीढ़ी को आगे बढ़ाऐं कांग्रेस पार्टी हमेशा से बुजुर्ग नेताओ को ढ़ो रही है सिंधिया जैसे नेता को खो दियो वो तो सचिन पायलट कांग्रेस के लिए इतने वफ़ादार हैं कि वे पार्टी छोड़कर नहीं गए अन्यथा सचिन पायलट कब का पार्टी छोड़कर चले गए होते ! कांग्रेस के बुजुर्ग नेता पार्टी में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं जबकि पार्टी निरंतर अपना प्रभुत्व खोती जा रही है कांग्रेस पार्टी में असंतुष्ट नेताओं का एक गुट है जिसे ज-23 कहते हैं जो हमेशा शीर्ष नेतृत्व को अपने इशारों पर नचाना चाहता है वो हमेशा पार्टी आलाकमान को कोसते रहते हैं लेकिन पार्टी उनके खिलाफ़ कोई एक्शन नहीं ले पाती जबकि सभी को पता है कि वे पुराने नकारे हुए नेता जिन्होंने अपनी ज़िंदगी में हमेशा राज्यसभा से राजनीति की, ऐसे नेता कभी बिना पद के पार्टी में नहीं रहे, उनमे से आधे तो पार्टी ही छोड़ गए, उनमें से कुछ राज्यसभा चले गऐ और जो कुछ बिना पद के रह गए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

भारतीय संविधान के शिल्पी एवं सामाजिक क्रांति के महानायक डॉ. अम्बेडकर

सुरेश पचौरी

> आजाद भारत के पहले मंत्रिमंडल में डॉ अम्बेडकर देश के कानून मंत्री बने। वे संविधान सभा के सदस्य भी थे तथा उन्हें संविधान सभा की ड्रॉफ्ट कमेटी का सभापति बनाया गया था। आजादी के तत्काल बाद 1947 में जब साम्प्रदायिक विद्वेष की आग फैल रही थी ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती थी, एक ऐसा संविधान बनाने की, जो सर्वस्वीकार्य हो। डॉ अम्बेडकर ने इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया।

मध्यप्रदेश की माटी के गौरव सपूत, भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर, समता मूलक समाज की स्थापना के प्रणेता और भारत के संविधान के निर्माता हैं। डॉ अम्बेडकर का जीवन संघर्षों की ऐसी महागाथा है जिसने इंसानियत को सही अर्थों में समझा और मानवीय गरिमा को स्थापित कर इतिहास को गौरवान्वित किया। डॉ अम्बेडकर देश के कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान और सामाजिक, आर्थिक समानता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। महार जाति में जन्में डॉ अम्बेडकर ने गैर बराबरी, छुआछूत, अन्याय, शोषण, दमन, घृणा, तिरस्कार और वेदना की पराकाष्ठा की भट्टी में तपते हुए सतह से शिखर की उंचाई को स्पर्श किया है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 1912 में उन्होंने स्नातक परीक्षा पास की। उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया, लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स से डी.एससी. एवं कोलंबिया यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की। वे एक चिंतनशील व्यक्ति तथा कर्मयोगी थे। उनका जीवन, उन्हें मिली सफलताऐं और उपलब्धियां अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा का जाति से कोई संबंध नहीं होता। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिभा को खुला और उन्मुक्त वातावरण मिलना चाहिए। असाधारण संगठन क्षमता और अन्याय के विरूद्ध लोहा लेने की उनकी संकल्पबद्धता उन्हें सहज ही एक महान इतिहास पुरूष के रूप में प्रतिष्ठापित कर देती है। दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति चेतना जगाने में उनका विशेष योगदान है। दलित एवं कमजोर वर्गों के लिए उनका स्पष्ट संदेश था - शिक्षित बनो, संगठित रहों और संघर्ष करो।

डॉ अम्बेडकर जी की जन्म जयंती

डॉ अम्बेडकर राजनैतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना चाहते थे। वे आर्थिक शोषण के खिलाफ संरक्षण को संविधान के मूलभूत अधिकारों के रूप में सम्मिलित करने के पक्षधर थे। डॉ अम्बेडकर ने विश्व संविधानों के श्रेष्ठ मूल्यों, उन्नत प्रावधानों को भारतीय संस्कृति के अनुरूप ढालकर भारतीय संविधान को वैश्विक संघर्षों एवं अनुभवों से समृद्ध किया। स्वतंत्र भारत के संविधान के शिल्पकार के रूप में डॉ अम्बेडकर के योगदान को पूरा देश बड़े गौरव के साथ स्मरण करता है। डॉ अम्बेडकर ने संविधान की रचना करते समय इस बात को बारीकी से ध्यान में रखा कि आजाद भारत जातियों, संप्रदायों में विभाजित हुये बिना एकजुट मानव समाज के रूप में अपनी विकास यात्रा तय करे। संविधान में डॉ अम्बेडकर ने ऐसे अनेक प्रावधान रखे, जिसके चलते न केवल दलित वर्ग को अपितु संपूर्ण मानव समाज को समानता से जीने का अधिकार मिला। उन्हीं के प्रयासों से छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया गया। संविधान में सामाजिक न्याय और कमजोर वर्ग की बेहतरी के अनेक प्रावधान किये गये। डॉ अम्बेडकर का जीवन एवं दर्शन सामाजिक एवं आर्थिक नवनिर्माण को सही दिशा देने का मूल मंत्र है। उन्होंने वित्त आयोग, आर.बी.आई. निर्वाचन आयोग, पानी, बिजली, ग्रिड सिस्टम, संपत्ति में महिलाओं का अधिकार आदि अनेक विषयों पर अपने विचार आलेख के रूप में प्रस्तुत किये। राष्ट्रनिर्माण, विदेशनीति निर्धारण, श्रमिक कल्याण, कृषि तथा औद्योगिक विकास में उनका तत्कालीन चिंतन आज भी देश की जनता के लिए धरोहर सरीखा है। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ अम्बेडकर एक चिंतनशील पत्रकार थे। वे पत्रकारिता को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते थे। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा था जैसे पंख के बिना पक्षी नहीं होते वैसे समाचार पत्र के बिना आंदोलन नहीं होते। डॉ अम्बेडकर ने खुद भी 1920 में मूकनायक अखबार का प्रकाशन शुरू किया जिसके माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को राष्ट्रीय स्वर दिया। इसका असर यह हुआ कि अंग्रेजों की दलित समाज को हिन्दू समाज से अलग करने की चाल विफल हुई। डॉ अम्बेडकर द्वारा उठाये गये सामाजिक आर्थिक प्रश्नों से आजादी के आंदोलन को गति एवं शक्ति प्राप्त हुई। सामाजिक समरसता और समाज में बराबरी का भाव डॉ अम्बेडकर के चिंतन के केन्द्र बिन्दु रहे लेकिन यह सिर्फ दलित या कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं था, उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, हिन्दू समाज में बहुविवाह प्रथा पर रोक लगाने के हिन्दू कोड बिल को लागू करवाने के लिये अथक प्रयास किये। यह उनके सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता का परिचायक था कि हिन्दू कोड बिल को पारित न होने पर उन्होंने कानून मंत्री के पद से स्तीफा दे दिया। समानता पर आधारित शोषणमुक्त समाज के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुये उन्होंने 14 अक्टूम्बर 1956 को अपने लाखों अनुयायियों सहित बौद्ध धर्म अपनाया। नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि पर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि मैं इस सिद्धांत को मानूंगा कि सभी मनुष्य एक हैं। मैं बौद्धधर्म के तीन तत्वों 1. ज्ञान 2. करूणा 3. शील के अनुरूप स्वंय को ढालूंगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार ने डॉ अम्बेडकर के जीवन और कृतित्व को चिरस्मरणीय बनाने के लिये अनेक कदम उठाये हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन से गहरे संबंध रखने वाले पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। ये पंचतीर्थ इस प्रकार हैं।

(लेखक-पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे हैं।)

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8336

■	1		2	■	3			4
5	■	■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	■	
24				■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली - 8335 का हल

■	दा	वा	न	ल	■	ज	■	■
■	ग	■	मी	■	ना	मा	कू	ल
म	दा	री	■	स	ज	ना	■	बा
■	र	स	ना	■	न	■	जा	ल
आ	■	ना	म	र	ख	ना	■	ब
म	य	■	क	■	रा	श	न	■
रा	■	का	र	ण	■	क	म	रा
य	की	न	न	■	श	■	की	■
■	■	न	■	सा	व	धा	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	तुला में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ	समय
मेष	05.44 बजे से
वृष	07.24 बजे से
मिथुन	09.22 बजे से
कर्क	11.35 बजे से
सिंह	13.51 बजे से
कन्या	16.03 बजे से
तुला	18.14 बजे से
वृश्चिक	20.29 ब.से
धनु	22.45 बजे से
मकर	00.50 बजे से
कुंभ	02.36 बजे से
मीन	04.09 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 104 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 08.26 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 00.14 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वज्र 22.38 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 08.26 बजे तदनन्तर तैतिल 21.42 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872314 **जूलियन दिन** 2460779.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 15 **विशेष** सोलर नववर्ष, मेष संक्रांति, बैसाखी, पुथंडु, विषु कानी, अंबेडकर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जलियांवाला बाग नरसंहार स्मृति दिवस पर अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जलियांवाला बाग नरसंहार स्मृति दिवस पर सभी अमर शहीदों को शत-शत नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि 13 अप्रैल 1919 को मानवता को शर्मसार करने वाला यह क्रूर नरसंहार भारतीय स्वतंत्रता अंदोलन का ऐसा अध्याय है, जिसने देशवासियों के हृदय में क्रांति की ज्वाला को और अधिक धधका दिया। उन्होंने कहा कि मां भारती की परतंत्रता की बेडियों को तोड़ने के लिए बलिदान हुए अमर आत्माओं को इस देश की माटी कभी विस्मृत नहीं कर सकेगी।

शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर सरकार ने बढ़ाई अनुग्रह राशि

भोपाल। राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह राशि में 75000 की वृद्धि की है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार पहले शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर मात्र 50 हजार रुपए की अनुग्रह उपादान राशि का भुगतान करती थी, लेकिन अब राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह उपादान राशि 50,000 के स्थान पर 1,25,000 स्वीकृत की है। जो शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर तत्काल उसके परिवार को दाह संस्कार करने के लिए दी जाएगी। मप्र कर्मचारी मंच सरकार के अनुग्रह उपादान राशि की वृद्धि करने के निर्णय पर सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया है, साथ ही मांग की है कि अनुग्रह उपादान राशि अनियमित कर्मचारियों की मृत्यु होने पर भी दाह संस्कार करने के लिए दी जाए।

छिंदवाड़ा को मिलेगा आध्यात्मिक सौभाग्य, पहली बार पधारेंगे शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा की धरती इस बार अध्यात्म की ऊर्जा से सराबोर होने जा रही है। द्वारका शारदा पीठ के पूज्य शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती, शंकराचार्य पद पर आसीन होने के बाद पहली बार नगर में पदार्पण करेंगे। यह ऐतिहासिक क्षण 17 अप्रैल को शाम 4 बजे आएगा, जब वे चौरई से नगर में प्रवेश करेंगे। 17 से 19 अप्रैल तक चलने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शंकराचार्य की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। नरसिंहपुर रोड स्थित नंदन हिल्स उनका विश्राम स्थल रहेगा। वहां प्रतिदिन शाम पांच बजे शंकराचार्यजी के प्रवचन होंगे, जो केवल धार्मिक उपदेश नहीं बल्कि जीवन को दिशा देने वाले विचार होंगे। शंकराचार्य का छिंदवाड़ा में यह पहला आगमन है, और इसी को ध्यान में रखते हुए नगर के श्रद्धालु, धार्मिक संस्थाएं व स्वयंसेवी संगठन भव्य स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। पूरे मार्ग को सजाने की योजना है, वहीं स्थानीय मंदिरों में विशेष पूजन और भजन संध्या की भी संभावना है। यह केवल एक धार्मिक कार्यक्र म नहीं, बल्कि छिंदवाड़ा की आध्यात्मिक पहचान का क्षण है। आयोजकों ने बताया कि यह समारोह सभी धर्मप्रेमियों के लिए खुला है और हर कोई इस अलौकिक अनुभव का साक्षी बन सकता है।

आंबेडकर जयंती पर महू आने लगे अनुयायी, बाबा साहब के नाम पर मोहन सरकार करेगी योजना शुरू

इंदौर। इंदौर के समीप महू में संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली है। यहां हर साल 14 अप्रैल को उनके अनुयायी, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आते हैं। उनके आने का सिलसिला रविवार से शुरू हो गया। इंदौर में भी उनकी प्रतिमा को मेयर पुष्य मित्र भार्गव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने खुद साफ किया। आंबेडकर जयंती के मौके पर प्रदेश सरकार उनके नाम पर दुग्ध उत्पादन से जुड़ी एक योजना भी शुरू करेगी। प्रशासन का अनुमान है कि 14 अप्रैल सोमवार को महू में आंबेडकर जयंती के लिए एक लाख से ज्यादा अनुयायी आएंगे। उसके हिसाब से महू में तैयारियां कर ली गई हैं। अनुयायियों के लिए भोजन की व्यवस्था के अलावा टेंट और पेयजल और पंखे, कूलर के इंतजाम भी किए गए हैं। आंबेडकर जयंती का उत्सव 13 अप्रैल की रात से ही शुरू हो जाएगा। रात में आकर्षक आतिशबाजी होगी और बाबा साहेब को विशेष बैंड द्वारा सलामी दी जाएगी। इस कार्यक्र म को देखने के लिए भी हजारों लोग स्मारक स्थल पर जुटते हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार सुबह दिल्ली से इंदौर आएंगे और महू में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने जाएंगे। स्मारक स्थल को भी आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। इंदौर रेलवे स्टेशन से महू तक बसों का संचालन भी किया जा रहा है। बता दें, हर साल महाराष्ट्र के यवतमाल, सतारा, नासिक, मुंबई सहित कई शहरों से बाबा साहेब के अनुयायी हर साल महू आते हैं।

पेयजल संकट से निपटने के लिए नलकूप खनन के वेंडर बढ़ाये जाएंगे: सिंह

विजय मत, भोपाल

स्कूल शिक्षा, परिवहन एवं बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए, ऐसी व्यवस्था करें कि जिले में कही पर भी पानी का संकट न हो। उन्होंने कहा कि जिले में नलकूप खनन के साथ ही मोटर पम्प और राइजिंग पाइप सहित सभी व्यवस्थाएं तैयार रखें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वें वित्त से भी पेयजल के संबंध में व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नलकूप खनन के वेंडर की वर्तमान संख्या पर्याप्त नहीं है इसे बढ़ाया जाये। प्रभारी मंत्री सिंह शनिवार को बालाघाट जिले के मलाजखंड में पेयजल व्यवस्था संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में वर्तमान जल संकट सहित कई विषयों पर चर्चा हुई।

प्रभारी मंत्री सिंह ने कहा कि पेयजल, बिजली और जल संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आने वाले 2 माह तक इन कार्यो पर लगकर कार्य करना आवश्यक है। प्रभारी मंत्री सिंह ने किसानों को धान के साथ मक्का की फसल लेने की सराहना की। उन्होंने कहा कि बिजली की 30 वर्षों की मांग को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार की जाये। मंत्री सिंह ने कहा कि पीएम आवास सहित आम नागरिकों के लिए रेत की व्यवस्था सुगमता से होनी चाहिए।बैठक में सांसद श्रीमती भारती पारधी, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, विधायक सर्वसंजय उइके, मधु भगत, श्रीमती अनुभा मुंजारे, गौरव पारधी, विक्की पटेल, राजकुमार करांहे एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मलाजखण्ड लायब्रेरी अच्छा प्रयास

प्रभारी मंत्री सिंह ने मलाजखंड नगर परिषद में बनाई गई लायब्रेरी का अवलोकन कर प्रयासों की सराहना की। प्रभारी मंत्री सिंह को अवगत कराया कि नगर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी लायब्रेरी स्थापित करने के प्रयासों जारी है। उन्होंने पीएम आवास हितग्राही दलम सिंह के घर चाय और कोदो कुटकी का स्वादलिया।

सामूहिक विवाह में हुए शामिल

प्रभारी मंत्री सिंह मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने 285 नवदंपति के सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। प्रभारी मंत्री ने प्रत्येक नवदंपति को 49-49 हजार रूपये के चैक प्रदान किये। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अब हर विधानसभा क्षेत्र में हेलीपेड तैयार किया जायेगा। आपात स्थिति में ग्रामीणों के उपचार के लिये एयर लिफ्ट कर देश के बड़े अस्पतालों में उपचार कराया जायेगा।

खरगोन-सतना समेत कई जिलों में बारिश-ओले गिरे

मप्र कई शहरों में पारा 40 डिग्री के पार दो दिन बाद तेज गर्मी का दौर

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में कई जिलों में रविवार को भी ओले-बारिश का दौरा जारी रहा। खरगोन के महेश्वर में दोपहर में आधे घंटे तेज बारिश और ओले गिरे। टीकमगढ़, सतना और राजगढ़ में भी पानी गिरा। इस बीच कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार हो गया। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन बाद तेज गर्मी का दौर रहेगा।

रविवार को नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री, खंडवा-धार में 40.1 डिग्री, खरगोन और नरसिंहपुर में 40 डिग्री रहा। वहीं, शाजापुर में 39.7 डिग्री, रतलाम में 39.5 डिग्री और गुना में पारा 39 डिग्री दर्ज किया गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.8 डिग्री, इंदौर में 38.6 डिग्री, ग्वालियर में 36 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 37.4 डिग्री दर्ज किया गया।सबसे कम पचमढ़ी में 32.8 डिग्री रहा। नौगांव में 34 डिग्री, रीवा-सीधी में 34.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा

मध्यप्रदेश में मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसी ट्रेंड के अनुसार अगले 3 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है। जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। इस बार मार्च के दूसरे पखवाड़े में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। मार्च महीने के आखिरी में ही टेम्प्रेचर बढ़ने लगता है, लेकिन इस बार ऐसा मौसम नहीं रहा। आखिरी 3 दिन वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से पारे में गिरावट हुई। अप्रैल के पहले पखवाड़े में मौसम का असर मिला-जुला रहेगा।

मऊगंज में बारिश-ओले से फसलों को नुकसान... मऊगंज जिले में दोपहर में करीब एक घंटे तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं। खेत-खलिहानों में कटी रखी गेहूं और चने की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। जिले के माजन मानिकराम, खटखरी, पतुलखी, ओवर, हटवा, कौआधान, शाहपुर, गौरी, बेलौही, चरैया, तेंदुआ, ढाबा, अर्जुनपुर, बिजौली, भोड़हा, बगौहा, बिरहा, भलूहा, धर्मपुरा, देवरा, चौहाना, पटहरा, बिछरहटा, डीही, बराव, कोलहा और खैरा समेत कई अन्य गांव प्रभावित हुए हैं।

16 से लू का अलर्ट

मौसम विभाग भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, तीन सिस्टम एक्टिव होने से हल्की बारिश और आंधी का दौर रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की सक्रि यता घटने के बाद तेज गर्मी का असर शुरू होगा। 15 अप्रैल को मौसम साफ होने का अनुमान है। 16 अप्रैल से लू चलने लगेगी।

महेश्वर में गिरे ओले, शिवपुरी में महिला की मौत

खरगोन जिले के महेश्वर में दोपहर 3:10 बजे गरज-चमक के साथ करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। इसके अलावा, सोमाखेड़ी समेत कुछ गांवों में ओले भी गिरे। शिवपुरी जिले के ग्राम टोडा पिछोर में शनिवार देर रात खेत में सो रही 55 वर्षीय महिला की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कुसुमा लोधी के रूप में हुई है।

डॉ. शैलेश लुनावत को संजीवनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया

विजय मत, भोपाल

प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट एवं समाजसेवी डॉ. शैलेश लुनावत को उनके निस्वार्थ समाज सेवा के लिए आज आयोजित लायंस इंटरनेशनल के क्षेत्रीय सम्मेलन में संजीवनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. लुनावत को इस भव्य सम्मेलन में मुख्य अतिथि मुंबई से आए राजू मनवानी एवं लायंस इंटरनेशनल के क्षेत्रीय अध्यक्ष ज्ञानदेव मिश्रा द्वारा संजीवनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था ने डॉ. लुनावत द्वारा मानवतावादी सोच के माध्यम से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की, जिसकी शुरुआत डॉ लुनावत ने कई दशकों पहले कर दी थी। डॉ. लुनावत को पुरस्कार मिलने पर लॉयन कमल भंडारी, डॉ. आरके चौरसिया, मनीष शाह, सुयश कुलश्रेष्ठ एवं अन्य ने बधाई दी। जैन धर्म का कड़ाई से पालन करने वाले और जैन समाज और चिकित्सा बिरादरी में विभिन्न पदों पर आसीन डॉ. लुनावत दशकों से निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने के अलावा भोपाल में झुग्गी-झोपड़ियों और बाहर विभिन्न माध्यमों से स्वयंसेवकों की एक समर्पित टीम के साथ गरीबों और जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। डॉ. लुनावत ने कोविड-19 के दौरान नियमित रसोई चलाने के अलावा प्रभावित रोगियों को चौबीसों घंटे चिकित्सा सहायता प्रदान की. वो एक साल पहले तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने मैहर और सतना रेलवे स्टेशन के बीच चलती ट्रेन में अन्य महिलाओं की मदद से एक गर्भवती महिला को बच्चे को जन्म देने में मदद की थी, जबकि 28 वर्षीय महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और एम्बुलेंस के लिए 108 और रेलवे कर्मचारियों को कई बार फोन करने के बावजूद उसे तत्काल मदद उपलब्ध नहीं हो पाई थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री, जिलाध्यक्ष ने पूर्व संध्या पर सफाई कर किया दीप प्रज्जवलित

बाबा साहब की जयंती पर नेतागण करेंगे प्रतिमा पर माल्यार्पण: रविन्द्र यति

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर बोर्ड ऑफिस चौराहे स्थित बाबा साहब की प्रतिमा की साफ-सफाई कर दीप प्रज्जवलित किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, महापौर मालती राय, पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, जिला उपाध्यक्ष शंकर मकोरिया, इन्द्रजीत सिंह राजपूत, राजेंद्र गुप्ता, राजकुमार विश्वकर्मा, अश्विनी राय, अनिल पचौरी, महेश मकवाना, मंडल अध्यक्ष निर्भय सिंह धाकड़, महेश शाक्य, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय पाटीदार, सुषमा बबीसा, निखिलेश मिश्रा, हरिओम औसारी, दीपक शर्मा उपस्थित रहे।

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने अरेरा मंडल के वार्ड 49 बूथ क्रमांक 196 पर बाबा साहब की प्रतिमा की सफाई कर दीप प्रज्जवलित किए। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह पूर्व सांसद आलोक संजर, अरेरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित, सुनील पांडे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हीरेंद्र बहादुर सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, जिला मंत्री राजकुमार विश्वकर्मा, अनिल पचौरी, अश्विनी राय, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अजय पाटीदार, शक्ति दुबे, शोभा नरवाडे, निखिलेश मिश्रा, दिव्यऋषि तिवारी, पार्षद बाबूलाल यादव, पार्षद अरविंद वर्मा सहित प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आज नेतागण करेंगे डॉ. बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण-रविन्द्र यति-भाजपा के भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति 14 अप्रैल को प्रातः 10 बजे बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बोर्ड आफिस स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्रीगण, सांसद, विधायगण, जनप्रतिनिधि एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। यति ने बताया कि पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता भोपाल के प्रत्येक मंडल के बूथों पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सेवा कार्य करेंगे।

शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आज रहेगी 3 घंटे की ओपीडी

विजय मत, भोपाल

सोमवार को शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं की ओपीडी प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होगी। दो दिवस निरंतर अवकाश होने की स्थिति में द्वितीय अवकाश के दिन ओपीडी संचालित किए जाने के संबंध में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश दिए गए हैं। 13 अप्रैल को रविवार और 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती का सार्वजनिक अवकाश है। लगातार दो दिन के अवकाश होने के कारण मरीजों को उपचार लेने में असुविधा न हो, इसे देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा 3 घंटे की ओपीडी संचालित रखने के निर्देश दिए जारी किए गए हैं। चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को भी ड्यूटी पर उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया गया है।

खास-खबर

महापौर राय ने श्रमदान करते हुए स्वयं भी कचरा उठाया और अन्य लोगों को भी श्रमदान हेतु प्रेरित किया

महापौर ने किया स्वच्छता जागरूकता हेतु आयोजित गांव बस्ती चलो अभियान के तहत किया श्रमदान

विजय मत, भोपाल

महापौर मालती राय ने स्वच्छ सोच स्वस्थ्य जीवन की थीम पर स्वच्छता जागरूकता हेतु आयोजित गांव बस्ती चलो अभियान के तहत स्वच्छता हेतु श्रमदान किया और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने एवं अपने स्वयं के व आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता हेतु श्रमदान करने हेतु प्रेरित भी किया।

महापौर मालती राय ने रविवार को गांव बस्ती चलो अभियान के तहत आयोजित 7 दिवसीय स्वच्छता अभियान में सम्मिलित होकर नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्र. 36 के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता हेतु श्रमदान भी किया और अन्य नागरिकों को भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने हेतु स्वच्छता की गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहयोग करने व स्वच्छता कार्य हेतु श्रमदान करने हेतु आव्हान किया। इस दौरान महापौर राय ने श्रमदान करते हुए स्वयं भी कचरा उठाया और अन्य लोगों को भी श्रमदान हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

महापौर मालती राय ने नवजात शिशुओं व माताओं का गोद भराई कर किया सम्मान

भोपाल। महापौर मालती राय ने नवजात शिशुओं व उनकी माताओं का सम्मान गोद भराई कर किया। महापौर मालती राय ने रविवार को होशंगाबाद रोड स्थित हर हेल्थ सेंटर में नवजात शिशुओं व उनकी माताओं का सम्मान गोद भराई कर किया। इस अवसर पर महापौर राय ने माताओं एवं शिशुओं को स्वस्थ्य एवं दीर्घायु हेतु शुभकामनाएं भी प्रेषित की। इस अवसर पर हर हेल्थ क्लब व सुफल गर्भावस्था सपोर्ट ग्रुप के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में माताएं मौजूद थी।

दिल्ली जाने वालों के लिए बड़ी सौगात, नई सुपरफास्ट ट्रेन आज से शुरू

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

इंदौर के नागरिकों को रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के पर्यटन/दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने और सुगम आवागमन के उद्देश्य से रेलवे द्वारा नियमित रेल सेवा के रूप में यात्रियों को यह सुविधा दी गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार 13 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर नगर एवं कोटा रेलवे स्टेशनों पर डॉ. अम्बेडकर नगर- कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे।

ट्रेन नंबर 20155/20156 डॉ. अम्बेडकर नगर- नई दिल्ली-डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन का नियमित संचालन भारतीय संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली 'महू' शहर के डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच किया जाएगा। इसी तरह कोटा से ट्रेन नं. 02055 कोटा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन और डॉ. अम्बेडकर नगर से 09355 डॉ. अम्बेडकर नगर - कोटा स्पेशल ट्रेन का शुभारंभ किया जाएगा। डॉ. अम्बेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

इस नई रेल सेवा के आरंभ होने से राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा को देश की राजधानी नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश में स्थित महाकाल की नगरी उज्जैन, मध्यप्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर एवं डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों के अंतर्गत आने वाले पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों जैसे मथुरा, उज्जैन, भरतपुर, सवाई माधोपुर, कोटा, देवास एवं इंदौर के विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों राज्यों का आर्थिक एवं सामाजिक विकास होगा। इस नई रेल सेवा की सौगात से विद्यार्थियों, व्यापारियों, किसानों एवं आमजन को सीधा लाभ पहुंचेगा। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों के यात्रियों को देश की राजधानी नई दिल्ली के लिए सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए सीधी ट्रेन की उपलब्धता होगी।

यूज इन शॉर्ट

बाबा साहेब के सिद्धांत आज भी सभी को देते हैं प्रेरणा: उप मुख्यमंत्री

शहडोल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित, शोषित और पीड़ित वर्गों के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने हमें एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त लोकतंत्र का मार्ग दिखाया। उनके विचार और सिद्धांत आज भी हम सभी को प्रेरणा देते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने डॉ. अम्बेडकर को नमन करते हुए आह्वान किया है कि बाबा साहेब के सपनों के भारत के निर्माण में हम सब अपनी पूर्ण भागीदारी निभाएँ।

म.प्र. राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया का भ्रमण कार्यक्रम

शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया 14 अप्रैल को प्रातः 8 बजे अमरकंटक में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। दोपहर 2 बजे अमरकंटक से शहडोल हेतु प्रस्थान करेंगे तथा सर्किट हाऊस शहडोल में रात्रि विश्राम करेंगे। 15 अप्रैल को शहडोल में प्रातः 11:00 कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे, दोपहर 12 बजे छात्रावासों का निरीक्षण, दोपहर 2 बजे अधिकारियों की बैठक लेंगे तथा शाम 4 बजे शहडोल से अमरपाटन के लिए प्रस्थान करेंगे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

शहडोल। सामान्य प्रशासन विभाग ने 14 अप्रैल 2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। प्रदेश सरकार द्वारा यह अवकाश निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेन्ट्स एक्ट के तहत घोषित किया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़ें और जल संरक्षण का संकल्प लें

शहडोल। जल जीवन का आधार जल गंगा अभियान के तहत म प्र जन अभियान परिषद जिला शहडोल के तत्वाधान में जिला समन्वयक विवेक पांडेय जी के आतिथ्य में ग्राम पंचायत कतिरा के ग्राम खुशरवाह के ज्वालामुखी मंदिर तालाब में चौपाल कार्यक्रम रखा गया जिसमें जिला समन्वयक विवेक पांडेय के द्वारा बताया गया कि प्रदेश सरकार की जो महत्वाकांक्षी जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। इसमें सभी का नवांकुर संस्था, परामर्शदाता, सी यम सीएल डी पी के छात्र छात्राओ का महत्व पूर्ण योगदान है। लोग समाज में सेतु का काम कर रहे हैं जल के संरक्षण एवं संवर्धन तथा जल श्रोतों को चिन्हांकित कर जन सहयोग से सुनिश्चित करें। इसके बाद सिद्धबाबा आश्रम चुंदी नदी के तट पर बने शिव मंदिर एवं स्टॉप डैम की साफ सफाई जल गंगा अभियान के तहत नवांकुर संस्था, तथा सी यम सीएल डी पी के छात्रों एवं राजेश द्विवेदी, एवं श्रीमती जयश्री कचेर, अनुपम द्विवेदी, ब्लॉक समन्वयक ऋतिकदास मिश्रा, रघुवीर मिश्रा, शिव कुमार तिवारी, शैलेंद्र शर्मा, पवन तिवारी, श्रीमती रिंकी द्विवेदी सत्यम तिवारी एवं अन्य समाजसेवियों के द्वारा साफ सफाई किया गया। साथ ही जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पांडेय के द्वारा बताया गया कि हम समाज मे श्रमदान के माध्यम से लोगों जागरूकता रैली के सहभागिता से हमें गांव-गांव में इस अभियान को सफल बनाना है जिससे समाज एवं गांव में एक अच्छा वातावरण का निर्माण हो जिससे जल व्यर्थ में बह रहा जल को हम संचित रख सके तथा हम सब लोग अभियान में लगे जिससे सरकार की मंशा पर थोड़ा-थोड़ा हमारा योगदान हो सके। इसी माध्यम से हम अपनी भूमिका पर कार्य करें। इस अवसर पर समाजसेवी गीता प्रसाद केवट ओमप्रकाश शुक्ला क्रान्ति गुप्ता सी एमसी एल डी पी के छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व पर सजाए गए विशेष कीर्तन दीवान

शहडोल।खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व आज 13 अप्रैल दिन रविवार को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा घरौला मोहल्ला में मनाया गया। बैसाखी पर्व के अवसर पर विशेष कीर्तन दीवान सजाए गए। इस अवसर पर पंजाब के मारकंडे से आए भाई मनराज सिंह जी ने साथियों के साथ कीर्तन दीवान सजाया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा शहडोल में 11 अप्रैल को श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की आरंभता हो चुकी थी। रोजाना सुबह एवं शाम विशेष कीर्तन दीवान गुरुद्वारे में सजाए जा रहे थे और उसके उपरांत लंगर भी बरताया जा रहा था। आज 13 अप्रैल दिन रविवार को श्री अखंड पाठ साहिब की समाप्ति सुबह 8:30 बजे हुई। सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे तक गुरु घर के हजूरी रागी ज्ञानी धर्म सिंह जी ने कीर्तन दीवान सजाया। 11:00 बजे से दोपहर 12:30 तक पंजाब से आए ज्ञानी मनराज सिंह जी अपने साथियों के साथ कीर्तन दीवान सजाया। इसके उपरांत गुरु घर के हजूरी रागी ज्ञानी धर्म सिंह जी ने दोपहर 1:00 बजे तक कीर्तन दीवान सजाया। अरदास के उपरांत लंगर की सेवा हुई।

पहले कौओं तो अब बिल्ली-तेंदुआ-बाघ में बर्ड फ्लू के लिए अलर्ट

विजय मत, शहडोल।

शहडोल जिले के झीक बिजुरी क्षेत्र में कौओं की मौत के बाद बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। छिंदवाड़ा में बिल्लियों में भी संक्रमण मिला है। स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है और वन व पशु विभागों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

शहडोल जिले के झींक बिजुरी क्षेत्र में हुई कौओं की मौत के बाद हुई जांच में बर्ड फ्लू (एच 5 एन 1) बीमारी सामने आने के बाद से ही जिले का स्वास्थ्य महकमा सतर्कता बरत रहा है। बीते दिनों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा झींक बिजुरी क्षेत्र में चिकित्सीय टीम भेजकर वहां ग्रामीणों की एहतियात के तौर पर स्क्रीनिंग कराई थी, लेकिन किसी भी व्यक्ति में बर्ड फ्लू से संबंधित कोई भी संक्रमण अथवा लक्षण नहीं मिला था। फिर भी अब भी स्वास्थ्य विभाग ऐसी किसी भी बीमारी को लेकर अलर्ट मोड पर है।

मुर्गियों और बिल्लियों की हुई मृत्यु बना कारण

इसका मुख्य कारण प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बिल्ली परिवार की प्रजाति में बर्ड्-फ़्लू / फ़्लू वायरस का पाया जाना है, जिसकी वजह से वहां वजह से मुर्गियों और बिल्लियों की मृत्यु हुई है। यह जानकारी सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश मिश्रा द्वारा एहतियात के तौर पर वन मंडल अधिकारी उत्तर / दक्षिण वन वृत जिला शहडोल, वन मंडल अधिकारी जिला अनूपपुर / उमरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला- अनुपपुर / उमरिया तथा उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग, जिला-

शहडोल / अनुपपुर / उमरिया को पत्र जारी कर इससे अवगत कराया है। ताकि अगर शहडोल संभाग में भी बिल्ली अथवा उसके परिवार की प्रजाति में छिंदवाडा जैसे बर्ड-फ्लू / फ़्लू वायरस का पाया जाता है ,तो पहले से ही सतर्कता बरती जा सके।

बरती जा रही सर्तकता

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शाडोल द्वारा जारी पत्र में उल्लेखित कर ग्राम झीक बिजुरी विकासखंड बुढार जिला शहडोल में बर्ड फ्लू वायरस ॥5ह्1 पॉजिटिव रिपोर्ट का हवाला देते हुए वन एवं पशु चिकित्सा विभाग को अवगत कराया गया है कि दिनांक 10-02-2025 को छिंदवाड़ा जिले में मुर्गियों और बिल्लियों में बर्ड्-फ़्लू / फ़्लू वायरस पॉजिटिव पाया गया था, जिसकी वजह से मुर्गियों और बिल्लियों की मृत्यु हुई है। 09 अप्रैल 2025 को शहडोल जिले के ग्राम झींकविजुरी विकासखंड बुढ़ार में मृत पाए गए कौओ के सैंपल राज्य स्तर से जाँच कराए जाने पर बर्ड फ़्लू वायरस ॥5ह्1 पॉजिटिव रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। डॉ. शैलेश साकल्ले सदस्य ऋक्क्ष राज्य सर्वेलेन्स इकाई ढ्ढष्ठस्क्क्द्वारा बताया गया कि बर्ड फ्लू इन्फेक्शन से छिंदवाड़ा जिले में कैट फैमिली में संक्रमण मिला हैं तथा बर्ड फ्लू संक्रमण से बिल्लियों में मृत्यु की जानकारी मिली हैं। इसलिए शहडोल, अनूपपुर तथा उमरिया जिले में कैट फैमिली से संबंधित जानवर तथा तेंदुआ, बाघ (ञ्जद्बद्दद्गह्म्) में इन्फेक्शन के प्रति सावधान रहने एवं रोकथाम हेतु तैयारियां करना अवश्यक होगा। साथ ही इसके प्रति सभी को अलर्ट रहना चाहिए ,ताकि अगर ऐसे मामले हमारे सामने आतें हैं तो उससे निपटा जा सके।

इनका कहना है

ब्लर्ड फ्लू की चपेट में पक्षी एवं इंसान तो आ सकते हैं परंतु जंगली जानवरों के प्रभाव में आने का अब तक कोई उदाहरण नही हैं चूंकि जंगली जानवरों रोग प्रतिरोधक बहुत अधिक होती है इसलिए ये ब्लर्ड फ्लू से प्रभावित नहीं हो पाते । फिर भी चिड़ियाघर में ब्लर्ड फ्लू से बचने के लिए सतकर्तता बरती जा सकती है ।

अजय पाण्डेय, वन संरक्षक शहडोल

जिले के झीक बिजुरी क्षेत्र के मैरटोला करौदी में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही कौओं की मौत के मामले की पशु एवं डेयरी विभाग द्वारा राज्य स्तर पर कराई गई जांच के बाद इसका कारण बर्ड फ्लू (एच 5 एन 1) बीमारी का होना सामने आया था। जिसके बाद से ही जिले का स्वास्थ्य अमला सतर्कता बरत रहा है। ऐतिहात इतिहास के तौर पर हमने पत्र जारी किया है। आने वाले समय में किसी भी स्थिति में उससे निपटा जा सके।

डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

लू से बचने के लिए मौसमी फलों का सेवन करें , अधिक पानी पिएं :सीएमएचओ

विजय मत, शहडोल।

जिले में पिछले एक सप्ताह से वातावरण में लगातार परिवर्तन हो रहा है। प्रातः 10 बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं जिसके कारण लू लगने की आशंका बढ़ गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने आमजनों को लू से बचाव की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि लू से बचने के लिए जन सामान्य ज्यादा समय तक घर पर ही रहें। जिले में पिछले एक सप्ताह से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है।

दिन में 10 बजे के बाद गर्म हवाओं का प्रकोप हो जाता है। आमजन अति आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। खाली पेट घर से बाहर न जायें। इससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। दिन में कम से कम 12 से 15 गिलास पानी जरूर पियें।

लू से बचाव के लिए देशी घरेलू उपाय अपनाएं। बाहर निकलते समय सूती कपड़े से चेहरा और सर ढककर रखें तथा पानी साथ में जरूर रखें। पहनने के लिए सूती कपड़ों का अधिक उपयोग करें। लू से बचने के लिए खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा, आदि मौसमी फलों का सेवन करें। बेल, सौफ, पोदीना, धनिया आदि के शर्बत तथा छांछ के उपयोग से भी लू से बचाव होता है। कच्चे आम के पने का भी उपयोग करें। अगर लू के लक्षण जैसे मिचली आने, गला सूखने तथा बुखार का प्रकोप होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करके उचित उपचार करायें।

ब्योहारी विधायक, कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान

चिपाढ़नाथ मंदिर तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया गया सफाई कार्य

विजय मत, शहडोल।

जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार÷ शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जा रहा हैजो प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी,पत्रकार सहित अन्य लोगों द्वारा बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाई जा रही है तथा जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए संदेश दिया जा रहा है। शहडोल जिले के विकासखंड ब्यौहारी के ग्राम ग्राम पंचायत मऊ के चिपाढ़नाथ मंदिर जिसमें हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है और लोगों का आस्था का केंद्र भी है।

चिपाढ़नाथ मंदिर के समीप तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए सफाई का कार्य किया गया जिसमे विधायक शरद जुगलाल कोल, कलेक्टर डॉ केदार सिंह, जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्य पालन अधिकारी नरेंद्र धुर्वे, जनपद पंचायत ब्यौहारी की अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी सुश्री सौम्या आनंद, मुख्य कार्य पालन अधिकारी विजय सिंह मरावी, अभियान परिषद के परामर्शदाता हीरालाल साहू, सरस्वतीचंद्र विद्या, रामेश्वर पाल सहित अन्य लोगों बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया।

बैंकों के सामने नहीं है वाहन पार्किंग सुविधा

उपभोक्ताओं के बेतरतीब खड़े वाहनों से ट्रैफिक व्यवस्था हो जाती है ठप्प

विजय मत, शहडोल।

नगर में छोटे बड़े डेढ़ दर्जन से जयादा बैंक शाखाएं हैं। लेकिन किसी भी बैंक में पार्किंग सुविधा नहीं है। इससे खातेदार वाहन सड़क पर पार्किंग करते हैं। इससे यातायात समस्या का कारण बनता है। शहर में संचालित बैंकों के पास पार्किंग व्यवस्था नहीं है। यहां आने वाले उपभोक्ताओं द्वारा गाड़ी सड़क पर ही खड़ी की जा रही हैं। इस कारण सड़क पर दूसरे वाहन के लिए जगह नहीं बचती और दिन भर ट्रैफिक जाम का सिलसिला चलता रहता है। इससे हर रोज लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं यातायात पुलिस को इस बात की जानकारी होने के बाद अनजान बनी हुई है। ऐसे में मुख्य मार्गो पर ही घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

व्यस्ततम क्षेत्र में बैंक, नहीं है पार्किंग

शहर में पांडव नगर मार्ग अंबेडकर चौराहा में स्थित भारतीय स्टेट बैंक, बुढार रोड स्थित बैक ऑफ बड़ौदा एवं सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, पुराना गांधी चौराहा स्थित भारतीय स्टेट बैंक पुराना शाखा, बस स्टैंड रोड स्थित आईसीआईसीआई बैंक, गांधी चौराहा मार्ग पर स्थित यूनियन बैंक सहित अन्य बैंक खुले हुए हैं। जहां पर एक भी बैंकों के सामने पार्किंग की व्यवस्था नहीं है।

हमेशा बनती है जाम की स्थिति - शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने को लेकर यातायात पुलिस बिलकुल भी संजीदा नहीं है। आए दिन जाम और अव्यवस्था जैसे आलम बने रहते है। बैंकों के सामने से रोजाना यातायात पुलिस के अफसर और पुलिस महकमें के अधिकारी निकलते रहते है,जिनकी इन सड़कों पर रखे वाहनों पर नजर भी पड़ती है, लेकिन कार्रवाई करने से पीछे हट रहे है।

पुलिस की व्यवस्था को कोसते नजर आए राहगीर -यातायात व्यवस्था बिगड़ने से अब लोग पुलिस की यातायात व्यवस्था को कोस रहे है। इससे पुलिस के अफसरों और कर्मियों को कोई भी फर्क नहीं पड़ रहा है। इतना ही नहीं अब तो सड़क पर इस प्रकार वाहनों को रखा जा रहा है कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है।

स्टेट एवं सेंट्रल बैंक स्थानांतरित करने की मांग -बता दें कि शहर में लगातार बढ रहे दबाब के चलते अब तक सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया एवं भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा को दूसरे स्थानों पर स्थानांतरण की मांग उठ खडी हुई है। लोगों का कहना है कि नगर में बढते यातायात के दबाब के चलते तथा बैंको के वाहर पार्किंग की सुविधा न होने के कारण बैंक की मुख्य शाखा को स्थानांतरित कर दिया जाए।

उपभोक्ताओं को बैंक नही दे रहा पार्किंग की सुविधा-अपने ग्राहकों से हर सुविधा के लिए शुल्क लेने वाले बैंक उन्हें एक पार्किंग भी मुहैया नहीं करा पा रहे हैं। शहर की मुख्य सड़कों पर संचालित हो रहे बैंकों के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही यहां पर आने वाले ग्राहकों को अपने वाहन सड़कों पर खड़े करने पड़ रहे हैं। ऐसे में इन सड़कों पर हमेशा ही जाम की स्थिति बनी रहती हैं।

पौराणिक बावली को बचाने चल रहे अनशन को श्रमिक नेता ने दिया समर्थन

विजय मत, शहडोल।

किरन टॉकीज शहडोल स्थित पौराणिक बावली एवं धार्मिक सार्वजनिक उपयोग उपभोग की शासकीय जमीन के लिए चल रहे क्रमिक अनशन के नौवे दिन अनशनकरियों को अनशन पर बिठाने अनशन स्थल पर प्रसिद्ध श्रमिक नेता युवराज सिंह पहुंचे और उन्होंने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर अनशनकारी नौजवान उपेंद्र जायसवाल एवं अजय बड़ेरिया को तिलक लगाकर अनशन पर बिठाया । अनशन स्थल पर किरण टॉकीज के आसपास के जागरूक नागरिक भारी संख्या में मौजूद थे।

इस मौके पर श्रमिक नेता युवराज सिंह ने कहा कि प्रजातंत्र में मांगों को लेकर धरना आंदोलन करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। आप लोगों ने शांतिपूर्ण क्रमिक अनशन जारी किया है इसलिए इस आंदोलन का प्रभाव शहडोल शहर ही नहीं पूरे जिले पर जोर शोर से है। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रशासन आपकी मांगों पर गौर करेगा और जल्द ही अतिक्रमण हटाए जाएंगे तथा बावली अपने मूल स्वरूप पर लौटेगी । हम इस आंदोलन का समर्थन करते हैं और आपके संघर्ष में साथ हैं।

कुप्रथा

आदिवासी क्षेत्रों में आज भी बाल विवाह कुप्रथा प्रचलित, फिर शुरू होगा मुहूर्तों का दौर

जिले में बाल विवाह को लेकर अभी भी जागरूकता की कमी

विजय मत, शहडोल।

जिला आदिवासी जब बाहुल्य जिला है, जहां आदिवासी क्षेत्रों में आज भी बाल विवाह कुप्रथा प्रचलित है, परंतु जिला प्रशासन द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए ना ही कोई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, ना ही महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा बाल विवाह से जागरूकता हेतु लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी वजह से जिले में बाल विवाह को लेकर जागरुकता की कमी देखने को मिल रही है तथा एक बार पुनः मुहूर्त का दौर शुरू हो रहा है। विवाह के लिए लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है, वहीं बाल विवाह रोकने के लिए कई तरह के कड़े कानून बनाए गए हैं। इसके बाद भी जिले में हर साल बाल विवाह के मामले सामने आते हैं। जिन्हें समय रहते रोक पाना अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है।

मुहूर्त शुरू होते ही लगातार रखना पड़ता है नजर

जागरूकता के अभाव में जनजातीय समाज द्वारा बाल विवाह कराया जाता है, परंतु उन्हें जागरूक करने के लिए प्रशासन द्वारा कोई खास कदम नहीं उठाया जाता। अधिकारियों ने बताया कि मुहूर्त शुरू होते ही लगातार बाल विवाह पर नजर रखी जाती है, सूचना मिलते ही दोनों पक्षों की काउंसलिंग की जाती है। अधिकारियों ने बताया कि कई बार विरोध का भी सामना करना पड़ता है।

एक बार फिर विवाह मुहूर्तों की शुरूआत

एक बार फिर विवाह मुहूर्तों की शुरूआत हो रहे है, किसी भी शुभ कार्य के लिए शुभ मुहूर्त जरूर देखे जाते हैं ताकि होने वाले काम में कोई विघ्न बाधा, परेशानी न आए। वहीं अक्षय तृतीया में बड़ी संख्या में विवाह आयोजन होते हैं, इसकी बड़ी वजह यह होती है कि इस दिन किसी भी शुभ काम के लिए मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है, जिन जोड़ों के विवाह के लिए शुभ मुहूर्त नहीं मिल रहा होता है उनका विवाह अक्षय तृतीया को किया जाता है।

पिछले साल आधा दर्जन से अधिक मामले, कुछ में एफआईआर भी

महिला एवं बाल विकास विभाग से मिली जानकारी अनुसार पिछले साल बाल-विवाह से जुड़ी आधा दर्जन से अधिक सूचनाएं अधिकारियों तक पहुंची थी, जिस पर पहले से बनाई गई टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाइश दी थी। वहीं बताया जाता है कि बाल विवाह से जुड़े एक मामले में परिजनों द्वारा अड़ीबाजी करने पर एफआईआर भी कराई गई थी। इस बार भी विवाह मूहुर्तो के शुरू होने के साथ ही बाल विवाह की सूचनाएं भी सामने आने लगी हैं।

ग्राम सभा के माध्यम से किया जा सकता है जागरूक

जिले के सभी ग्राम पंचायत ग्राम सभाओं का आयोजन कर विशेष रूप से बाल-विवाह के दोषों को बताया जाए, वहीं इसे रोकने के उपायों सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाए। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 अंतर्गत बालिका की उम्र 18 वर्ष एवं बालक की उम्र 21 वर्ष से कम उम्र के विवाह नहीं किये जाने संबंधी जागरूकता अभियान चलाया जाए।

बेटी बचाओं, बेटी पढाओं योजना पर चर्चा, स्कूलों और आंगनबाडी केन्द्रों में स्वच्छ जल की उपलब्धता पर चर्चा, कुपोषण मुक्त ग्राम पर चर्चा, विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाओं में लाभ वाले हितग्राहियों की सूचियों का वाचन, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर (आरोग्यम) में प्रदाय की जाने वाली एवं स्वास्थ्य विभाग संबंधी योजनाओं पर चर्चा एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्राम सभा के समक्ष रखा जाए तो बढ़ सकती है बाल विवाह से जागरूकता।

ला लिगा फुटबॉल

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल में खेलते हुए खेलते हुए बार्सिलोना के पैड्री।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंट्स और सीएसके में मुकाबला

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपरजायंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में जीत हासिल कर अंक तालिका में ऊपर आने के साथ ही जीत की लय बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर इस सत्र में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही सीएसके की टीम को कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जीत दिला पाते हैं या नहीं ये देखना होगा।

सीएसके की टीम पिछले पांच मैच लगातार हारी है। यहां तक कि अपने घरेलू मैदान में भी उसे तीन मैच में हार मिली है। टीम के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

चेन्नई सुपर किंग्स- महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रविंद्र जडेजा, शिवम दूबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम करन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

ऐसे में धोनी को एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। कप्तान के तौर पर धोनी की राह आसान नहीं है। टीम के अधिकतर खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उनका मनोबल भी गिर है।

वहीं मेजबान टीम लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार चौथी जीत का प्रयास करेगी। उसने पिछले मैच में अच्छी जीत दर्ज की थी जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके गेंदबाज आवेश खान, रवि बिश्नोई और शार्दुल ठाकुर ने अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले मैच में मिचेल मार्श के नहीं होने पर कप्तान ऋषभ पंत एडेन मारक्रम के साथ पारी की शुरुआत के लिए उतरे थे। अब देखना होगा कि वह इस मैच में भी मार्श की वापसी के बाद शीर्ष क्रम में ही उतरते हैं या अपने तय नंबर पर उतरेंगे।

पिच की बात करें तो यहां के स्टेडियम की पिच धीमी होने के कारण बल्लेबाजी के लिए बेहतर रही है। ऐसे में निकोलस पूरन जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सीएसके के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। यहां की पिच बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए ही अच्छी मानी जाती है। दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी रचिन रविंद्र, शिवम दुबे , डेवोन कॉनवे जैसे खिलाड़ियों पर अधारित रहेगी। धोनी अभी तक निचले क्रम पर ही उतरे है और आगे भी उनके इसी प्रकार उतरने की संभावना है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में लखनऊ का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि सीएसके की ओर से इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले रुतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर के कारण पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं।

खराब फार्म के दौरान युवराज और सूर्यकुमार से सलाह ले रहा था: अभिषेक

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंदों में ही 141 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपना फार्म हासिल किया है। इस मैच में अभिषेक की पारी से सनराइजर्स को शानदार जीत मिली है। आईपीएल के इस सत्र में ये पहली बार है जब अभिषेक ने अच्छी पारी खेली है। इस सत्र के शुरुआती मैचों में वह असफल रहे थे। अभिषेक ने कहा है कि जब वह रन नहीं बना पा रहे थे तो इस दौरान उन्होंने अपने मेंटर युवराज सिंह के अलावा सूर्यकुमार यादव से भी बात की थी। अभिषेक की आक्रामक पारी से ही हैदराबाद की टीम पंजाब किंग्स से मिले 246 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। मैच में धमाकेदार पारी खेलने के बाद अभिषेक ने कहा, ÷यह जीत बहुत विषेष है क्योंकि मैं हार के सिलसिले को तोड़ना चाहता था।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी: माइकल क्लार्क

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। लगातार हार झेलने के बाद अब टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद चेन्नई ने अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाया और यह उसकी छह मैचों में पांचवीं हार रही। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर अपनी राय रखी है।

क्लार्क ने एक चैनल पर विशेषज्ञ के रूप में कहा कि चेन्नई आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही है और मेरा मानना है कि टीम मौजूदा दौर की क्रिकेट की मांग के अनुरूप नहीं खेल रही। क्लार्क ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गलत योजना के साथ मैदान में उतरने की गलती की। पिच बल्लेबाजी के लिए कठिन थी, नई गेंद से हल्की हरकत हो रही थी और स्पिन भी मिल रही थी, लेकिन सीएसके का रवैया बेहद रक्षात्मक

नजर आया।

क्लार्क ने टीम की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चेन्नई अब सिर्फ हार को कम करने या मैच को खींचने की कोशिश में लगी है। इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है। क्लार्क के मुताबिक, टीम को अब सब कुछ दांव पर लगाकर आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने माना कि लगातार हारने के बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल नकारात्मक हो जाता है और वहां से बाहर निकलना आसान नहीं होता। चेन्नई के लिए अब जरूरी है कि वह न केवल रणनीति बदले, बल्कि मानसिकता में भी बड़ा बदलाव लाए।

श्रेयस ने हार का कारण कमजोर गेंदबाजी को बताया

हैदराबाद। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम की गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही। ऐसे में उन्हें इस क्षेत्र में

काम करना पड़ेगा। इस मैच में पंजाब ने श्रेयस के 82 रनों की सहायता से 245 रनों का शानदार स्कोरी बनाया था पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने आईपीएल इतिहास में पांचवीं बार 230 से ज्यादा का स्कोर बनाया था पर ये पहली बार हुआ है जब वह हार गई। इससे पहले पंजाब की टीम जब भी 230 रनों तक पहुंची है जीती है। मैच हारने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि यह एक शानदार स्कोर था। इसके बाद भी मैच इसलिए हमारे हाथ से निकल गया क्योंकि कुछ कैच हमारे हाथ से फिसल गये हालांकि अभिषेक भाग्यशाली रहे। उनकी बल्लेबाजी असाधारण थी। वहीं ये भी सही है कि हम अपनी उम्मीदों के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये। श्रेयस ने कहा कि विरोधी बल्लेबाजों ने हमें कोई अवसर नहीं दिय। हम अपनी ओर से गेंदबाजी में अधिक बदलाव नहीं कर पाये। फर्ग्यूसन की चोट से भी हमें नुकसान हुआ।

पिछले पांच मैचों से एक पर्ची लेकर घूम रहा था अभिषेक: हेड

हैदराबाद, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा है कि उनका जोड़ीदारी अभिषेक शर्मा पिछले पांच मैचों से एक पर्ची लेकर घूम रहा था। वहीं अभिषेक ने शतक लगाने के बाद जेब से ये पर्ची निकालकर दर्शकों को दिखाई जिसपर उन्होंने टीम के लिए विशेष संदेश लिखा था। इसे प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। इसी को लेकर हेड ने कहा कि अभिषेक पहले ही इसके लिए तैयार थे। अब छठे मैच में उनका शतक बना है। वह शुरुआत से ही अपनी जेब में ही यह पर्ची रखकर घूम रहे थे। मालूम हो कि सनराइजर्स हैदराबाद के प्रशंसक ऑरेंज आर्मी से जाने जाते हैं। पिछले कुछ सीजन से इस फ्रेंचाइजी ने अपने शानदार खेल से लाखों प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यही वजह है जब भी हैदराबाद की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरती है तो वहां ऑरेंज आर्मी का सैलाब देखने को मिलता है।

यहां तक पंजाब किंग्स की मालकिन प्रिटी जिंटा ने भी इस पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये विशेष पारी थी। अभिषेक और हेड इस मैच से पहले बड़ी साझेदारियां नहीं बना पाये थे। इन दोनो की सबसे तेज 100 रन की साझेदारी। साल 2024 में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ 30 गेंदों में आई थी। वहीं दूसरी सबसे तेज 100 रन की साझेदारी साल 2024 में ही 34 गेंदों में आई थी।

बिजनेस

सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में हुआ सुधार

पिछले सप्ताह बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

हाल ही में बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले सप्ताह ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। साथ ही, मंडियों में किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए हैं। बीते हफ्ते में आप ने देखा होगा कि सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में सुधार हुआ है। इसके पीछे का कारण थी अप्रैल महीने में किसानों के आवक में कमी और चीन से सरसों डीओसी की मांग। किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव सुधार के साथ बंद हो गए हैं। इससे उन्हें नुकसान हो सकता है और उन्हें उचित दाम नहीं मिल सकता। सरकार को इसे सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने होंगे। इस तरह, बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये के सुधार के साथ 6,375-6,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 350 रुपये

के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये सुधरकर क्रमशः 2,380-2,480 रुपये और 2,380-2,505 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 300 रुपये, 250 रुपये और 175 रुपये मजबूत होकर क्रमशः 13,700 रुपये, 13,400 रुपये और 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये और 15 रुपये सुधरकर क्रमशः 14,250 रुपये और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। दूसरी ओर, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।सुधार के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 200 रुपये मजबूत होकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक खरीदेगा 40,000 करोड़ के सरकारी बॉन्ड

2028 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बांड शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वह 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) के जरिए खरीदेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है वित्तीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई लिक्विडिटी को संभालना। रिजर्व बैंक द्वारा खरीदे जाने वाले बॉन्ड मल्टीपुल विपरीतों के बीच से 2028 और 2039 में मैच्योर किए गए हैं। यह कदम आरबीआई के सिस्टम में शामिल होने वाले हाल ही के कदमों का एक और उदाहरण है जो लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए उठाए गए हैं। इसके अलावा, 3 अप्रैल को आयोजित ओएमओ नीलामी में वित्तीय संस्थानों से 2029 और 2039 के बीच मैच्योर किए गए बॉन्ड पर 80,820 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। इसके अतिरिक्त, 8 अप्रैल की नीलामी में 2032 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बॉन्ड पर 70,144 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। आगामी 3, 8, 22 और 29 अप्रैल को भी 20,000 करोड़ रुपए की चार बराबर किस्तों में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा आरबीआई ने मार्च में भी 50,000 करोड़ रुपए की दो किस्तों में 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी सिक्योरिटीज की ओएमओ खरीद की थी।

टाटा अल्ट्राज रेसर पर मिल रही छूट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने 2024 में अल्ट्राज रेसर को लॉन्च करते हुए इसे एक देसी हॉट हैचबैक के रूप में पेश किया था। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस है और अल्ट्राज रेसर को 0 से 100 केएमपीएच की रफ्तार तक महज 11 सेकंड में पहुंचा सकता है।

यह कार अल्ट्राज के रेग्युलर मॉडल पर आधारित है, लेकिन इसमें ज्यादा पावरफुल 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 118 बीएचपी और 170 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी ने इस स्पोर्टी कार को फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, सनरूफ, स्पोर्टी एग्जॉस्ट साउंड और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स के साथ पेश किया था। हालांकि, खरीदारों से इस कार को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला और इसकी सेल्स कंपनी की अपेक्षाओं से काफी कम रही। अब टाटा मोटर्स अल्ट्राज रेसर की बिक्री बढ़ाने के लिए इस पर भारी छूट दे रही है। रेस ट्रैक पर इसके शानदार ड्राइविंग डायनामिक्स इसे अपने सेगमेंट की अन्य कारों की तुलना में तेज बनाते हैं।

कंपनी को उम्मीद है कि नई छूट के साथ यह कार ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित कर सकेगी। एमवाय 2024 मॉडल पर कुल 1.35 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है, जिसमें 85,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 50,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस या एक्सचेंज ऑफर शामिल है।

टाटा कर्व और कर्व-ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय कूपे एसयूवी टाटा कर्व और कर्व ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च कर दिए हैं। दोनों कार को ऑल-ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। ये लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर के साथ आती है। कर्व डार्क एडिशन हायर वैरिएंट अक्म्पलिश्ड एस और अक्म्पलिश्ड प्लस , जिसकी कीमत स्टैंडर्ड वैरिएंट से 32,000 रुपए ज्यादा है। वहीं, कर्व ईवी डार्क एडिशन सिर्फ टॉप स्पेक इम्पावर्ड+ ए वैरिएंट पर बेस्ड है, जिसकी कीमत रेगुलर मॉडल से 25,000 रुपए ज्यादा है।

अमेरिकी-चीन शुल्क युद्ध और कंपनियों के तिमाही नतीजें तय करेंगे बाजार की चाल

- इस सप्ताह में बाजार अमेरिका-चीन शुल्क मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों से प्रभावित होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों की चाल पिछले कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में अमेरिकी-चीन शुल्क युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों विप्रो और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों से तय होगी। इस प्रकार की राय विश्लेषकों ने जताई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी इस सप्ताह बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती के कारण सोमवार को और 'गुड फ्राइडे' के मौके पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह वैश्विक और भारतीय बाजारों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है, क्योंकि चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध तेज हो गया है और दोनों देश एक-दूसरे पर शुल्क-पर-शुल्क लगा रहे हैं। इससे बाजारों में उथल-पुथल मची हुई है। घरेलू स्तर पर, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े इस सप्ताह जारी होंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल के पहले सप्ताह में एक बड़ी शुल्क योजना का अनावरण किया था। व्हाइट हाउस ने बाद में चीन को छोड़कर ज्यादातर देशों के लिए 'जवाबी शुल्क' को 90 दिन के लिए रोक दिया है। वहीं चीन ने अमेरिका पर 125 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर अपने अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, जो अमेरिका के 145 प्रतिशत शुल्क के जवाब में था। हालांकि, चीन ने दुनिया की दो शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के बीच बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा है। बाजार के जानकारों ने कहा कि आगामी छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजार अमेरिका-चीन शुल्क मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों से प्रभावित होगा। कंपनियों के तिमाही नतीजों पर सभी की निगाह रहेगी। सप्ताह के दौरान आईटी क्षेत्र की दिग्गज विप्रो और इन्फोसिस के अलावा निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के मार्च तिमाही के नतीजे घोषित होंगे। बीते सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव के बीच स्थानीय बाजार मामूली नुकसान के साथ बंद हुए थे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख-संपदा प्रबंधन ने कहा कि हमारा मानना है कि वैश्विक बाजार के रुख, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों और कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों के बीच स्थानीय बाजारों में उतार-चढ़ाव रहेगा। इसके अलावा बाजार की धारणा रुपया-डॉलर के रुझान और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में उतार-चढ़ाव से भी तय होगी।

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से निकाले 31,575 करोड़

- 21 मार्च से 28 मार्च तक एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं, क्योंकि अमेरिका और चीन दोनों ही मौजूदा व्यापार युद्ध के चलते अपरिहार्य सुस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। समीक्षाधीन अवधि में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड से सामान्य सीमा के तहत 4,077 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 6,633 करोड़ रुपये निकाले हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

हेरोइन चिट्टा के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। आमानाका पुलिस ने हेरोइन चिट्टा खपाने के लिए ग्राहक तलाशते बाइक सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया है।मिली जानकारी के अनुसार आमानाका पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर केडिया बिजनेस गेट के पास चंदनडीह में दबिश देकर बाइक सवार आरोपी मोहम्मद सोहेल खान 26 वर्ष और सनमय गोईन्डी 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 14.29 ग्राम हेरोइन चिट्टआ जब्त किया है। इसकी कीमत करीब 1 लाख 42 हजार 900 रुपए के आसपास बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सट्टा खिलाते दो युवक पकड़ाए

रायपुर। खम्हारडीह पुलिस ने वीवा टेलीकाम कृष्ठल आर्केट राजीव नगर में दबिश देकर आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा खिलाते दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने वीवा टेलीकाम कृष्ठल आर्केट राजीव नगर में दबिश देकर आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा खिलाते आरोपी जय मोटवानी 35 वर्ष और गौतम मदनानी 38 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से 3 नग मोबाइल, कॉपी, पेन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

किराना दुकान के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर। गोगांव स्थित महेश किराना दुकान के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढि ?री पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी प्रितम चंद्राकर 48 वर्ष एलआईजी कबीरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 सीएस 3231 को गोगांव स्थित महेश किराना दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

वीजा बनवाने के नाम पर 19 लाख से अधिक की ठगी

रायपुर। लंदन में काम दिलवाने का झांसा देकर 5 लोगों से 19 लाख से अधिक की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी समीर भीलावर 23 वर्ष होटल तारा संस गोत्री वडोदरा गुजरात का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी सैफ मैनेजर विवेक सिंह ठाकुर ने 5 लोगों को काम करने के लिए लंदन जाने के लिए वीजा बनवाने के नाम पर कुल 19 लाख 29 हजार 202 रुपए ले लिया और वीजा पासपोर्ट ना बनवा कर धोखाधड़ी किया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

राजेश अग्रवाल होंगे आई एम द बेस्ट कार्यक्रम के ट्रेनर

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में अंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को एक खास ट्रेनिंग सेशन आई एम द बेस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसके जिसमें प्रमुख प्रशिक्षक इंटरनेशनल प्राइम ट्रेनर पीपीपी जेएफआर राजेश अग्रवाल होंगे। यह सेशन सिर्फ मोटिवेशन नहीं, बल्कि आत्म-विश्वास, सकारात्मक सोच और लीडरशिप क्वालिटी बढ़ाने का सुनहरा अवसर होगा। मस्ती और सीख के संग ये अनुभव छात्रों को खुद पर विश्वास करना सिखाएगा।यह सेशन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्म-विश्वास निर्माण और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव ने कहा- वन क्षेत्र से आच्छादित है छत्तीसगढ़ की लगभग 44 प्रतिशत भूमि, यह भी हमारा गौरव

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष पैकरा के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए सीएम साय

विजय मत,रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और श्री पैकरा को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी उपस्थित थे और उन्होंने पैकरा को नए दायित्व की बधाई दी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि रामसेवक पैकरा वरिष्ठ राजनेता हैं और सामाजिक जीवन का उन्हें लंबा अनुभव है। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। वे हमेशा से आदिवासी और वनवासी समुदायों के प्रति संवेदनशीलता और धरातल से जुड़कर कार्य करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में उन्हें वन विकास निगम की बड़ी जिम्मेदारी मिलने से जनजातीय समाज को इसका

लाभ मिलेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लगभग 44 प्रतिशत भूमि वन क्षेत्र से आच्छादित है, जो न केवल जैव विविधता और पर्यावरण के लिए बल्कि आदिवासी संस्कृति और आजीविका के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वनवासी समुदायों के हित में सरकार द्वारा की जा रही पहल का उल्लेख करते हुए बताया कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष लगभग 4 करोड़ पौधों के रोपण एवं वितरण का लक्ष्य रखा गया है, वहीं बिगड़े वनों के सुधार हेतु 310 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई एक पेड़ माँ के नाम योजना का जिक्र करते हुए बताया कि राज्य में अब तक 3 करोड़ 50 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्रकेदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल सहित विभिन्न मंडल आयोगों के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

निगम के खोदे सीवरेज गड्ढे में डूबे 3 बच्चे, 1 की मौत

आक्रोशः गुस्साए लोगों ने नगर निगम के खिलाफ की नारेबाजी, एक दिन पहले भी ऐसा ही हादसा

विजय मत,रायपुर।

राजधानी रायपुर में खुला गड्ढा एक बच्चे के लिए मौत का गड्ढा बन गया। रविवार को गुलमोहर पार्क कॉलोनी में सीवरेज टैंक के गड्ढे में 3 बच्चे डूब गए। इसमें से एक बच्चे की जान चली गई। ये गड्ढा नगर निगम की ओर से खोदा गया था।

हादसा गुढ़ियारी थाना इलाके का है। एक बच्चे की मौत और 2 बच्चों के घायल होने के बाद कॉलोनीवासी आक्रोशित हो गए। गुस्साए लोगों ने मुआवजे और कार्रवाई की मांग को लेकर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।जानकारी के मुताबिक, गुढियारी इलाके में नगर निगम की ओर से खोदे गए गड्ढे में 3 बच्चे गिर गए थे। स्थानीय लोगों की मदद से दो बच्चों को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाल

लिया गया। दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं एक बच्चे की मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सीवरेज लाइन डालने के लिए खोदा गया गड्ढा खुला छोड़ दिया गया था। यहां पाइपलाइन के लीकेज होने के कारण गड्ढा पानी से भर गया था। जब बच्चे पास में खेल रहे थे, तभी तीनों गड्ढे में जा गिरे। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे 5 से 7 साल की उम्र के थे।

बता दें, इससे एक दिन पहले शनिवार को भी एक ऐसा ही हादसा हुआ था। छत्तीसगढ़ नगर में 3 साल का बच्चा गिरा था जिसे किसी तरह एक शख्स ने बचा लिया था। ये घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई थी।

नगर निगम की लापरवाही पर भड़के लोगः

दरअसल, शीतला मंदिर के पास हुए हादसे में भी गड्ढा निगम की ओर से खोदा गया था। यहां गंदे पानी की शिकायत के बाद गड्ढा खोदा गया लेकिन उसे खुला ही छोड़ दिया गया था।इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। लोगों का कहना है कि गड्ढा खोदने के बाद उसे किसी भी तरह से न तो ढका गया और न ही वहां कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। हादसे के बाद लोग नगर निगम प्रशासन से जवाबदेही और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष काले सीएम साय के हाथों सम्मानित

विजय मत,रायपुर।

नेहरू युवा केंद्र रायपुर के मंच पर महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले का उनके 40 वर्षों की समाजसेवा को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सम्मान किया। इस मौके पर मंडल की खेलकूद समिति की पदाधिकारी व पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नीता डूमरे को भीम अवार्ड से नवाजा गया। 8 नेहरू युवा केंद्र छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से रविवार को सुबह सात बजे मरीन ड्राइव तेलीबांधा से घड़ी चौक तिराहा तक आयोजित भीम यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहुंचे। विशेष अतिथि के रूप में खेलकूद व युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, आरंग के विधायक गुरु खुशवंत साहेब और रायपुर उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित रहे। भीम पदयात्रा शुरू होने से पहले नेहरू

युवा केंद्र की ओर से राज्य भर में विभिन्न क्षेत्रों की सात युवा विभूतियों सिमरदीप सयाल, प्रमोद साहू, दुर्गा साहू, दीपांशु नेताम, शिवा मानिकपुरी, माहिरा खान और लक्ष्यदीप चंद्रा का अभिनंदन किया गया। इस बीच मुख्यमंत्री साय ने 40 वर्षों से सामाजिक कार्यों, दिव्यांग बालिकाओं, महिला उत्थान, युवाओं के लिये विशेष कार्य योजना के तहत सेवा देने वाले महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले और स्पोर्ट्स क्षेत्र में पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ीऔर महाराष्ट्र मंडल की खेलकूद समिति की सक्रिय पदाधिकारी नीता डुमरे को बाबाराव भीम अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कोंडागांव में जोरदार बारिश, आंधी-तूफान के बीच गिरे ओले

समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर बनी हुई द्रोणिका का असर

विजय मत, ब्यूरो कोंडागांव।

बस्तर संभाग के कुछ इलाकों में रविवार को जोरदार बारिश हुई। कोंडागांव में तेज आंधी-तूफान के साथ ओले भी गिरे। कई घरों के छप्पर उड़ गए हैं। सड़कों पर पानी भर गया है।

वहीं अब सरगुजा संभाग में गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं।मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में सोमवार से गरज-चमक बढ़ने की संभावना है। वहीं प्रदेश में रविवार को सबसे ज्यादा गर्म राजनांदगांव रहा। यहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रायपुर और बिलासपुर में दिन का पारा 40 डिग्री के पार रहा, जबकि 18 डिग्री के साथ अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा।मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ अब कश्मीर घाटी

और आसपास के क्षेत्रों में समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है। पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर चक्रवाती परिसंचरण से छत्तीसगढ़ होते हुए पूर्वोत्तर तेलंगाना तक समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर एक द्रोणिका बनी हुई है।

601 से ज्यादा दिव्यांगों के उम्मीद की किरण बना नारायण सेवा संस्थान का निःशुल्क शिविर

प्रदेश के 390 दिव्यांगों का लिया माप और 56 ऑपरेशन के लिए चयनित

विजय मत,रायपुर।

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के तत्वावधान में रविवार को रायपुर के जैन दादा बाड़ी में निःशुल्क ऑपरेशन जांच-चयन और नारायण लिंब व केलिपर्स माप केम्प आयोजित हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजस्व एवं आपदा मंत्री टंकराम वर्मा और मेयर मीनल चौबे, विधायक ग्रामीण मोती लाल साहू,सीजीएमएससी अध्यक्ष दीपक मस्के, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा,निशक्तजन एवं वित्त विकास निगम अध्यक्ष लोकेश कावड़िया

सहित कई समाजसेवीजन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर दिव्यांगों, उनके परिजनों और रायपुर के सम्मानित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि वर्मा ने कहा मैं संस्थान की सेवाएं देखकर अभिभूत हूँ। दिव्यांगों को मदद के लिए आगे आने पर संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल और पूरी टीम का अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने संपूर्ण छत्तीसगढ़ में दिव्यांगों के हितार्थ नारायण सेवा संस्थान को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है। विजिट के दौरान मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री वर्मा एवं अन्य मेहमानों ने पिछले शिविर के लाभार्थी दिव्यांगों और इस शिविर में भाग लेने आये रोगियों के उदगार सुने और डॉक्टर टीम से उपचार और लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया भी जानी। प्रारम्भ में संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने मुख्य अतिथियों और मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ की परंपरा अनुसार अभिनंदन किया।

कमल वर्मा पुनः फेडरेशन के निर्विरोध संयोजक निर्वाचित

विजय मत,रायपुर।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की प्रांतीय बैठक रायपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में आयोजित की गई। इस प्रांत स्तरीय आमसभा में कमल वर्मा को पुनः निर्विरोध रूप से फेडरेशन का संयोजक चुना गया।फेडरेशन के प्रांतीय प्रवक्ता चंद्रशेखर तिवारी एवं जी. आर. चंद्रा ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आमसभा में कमल वर्मा ने अपने बीते पांच वर्षों के कार्यकाल में कर्मचारी हित में किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईमानदार एवं समर्पित साथियों के सहयोग से फेडरेशन ने राज्य में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, केंद्र के समान महंगाई भत्ता, सातवें वेतनमान के

अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता जैसे कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।फेडरेशन के सचिव राजेश चटर्जी ने प्रबंध कार्यकारिणी के निर्णयों को आमसभा में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया। इसमें सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लिए एक प्रकोष्ठ गठित करने एवं बी. पी. शर्मा को उसका संयोजक नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे ध्वनिमत से पारित किया गया।इसके साथ ही, प्रांतीय संयोजक के पद पर पुनः कमल वर्मा को नियुक्त करने का प्रस्ताव भी रखा गया?

एक्शन **ड्यूटी छोड़कर गायब थे तीन एसडीएम, दो सीईओ, पांच सीएमओ सहित दर्जन भर जिला अधिकारी**

लापरवाही पर फिंगेश्वर सीएमओ सस्पेंड, गैरजिम्मेदार दर्जनभर को नोटिस

- 'सुशासन' के लिए कलेक्टर की दोटूक- आवेदनों की एन्ट्री और निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

विजय मत, ब्यूरो गरियाबंद।

गरियाबंद जिले में 'सुशासन तिहार' अब सिर्फ एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि अफसरों के लिए अग्निपरीक्षा बन चुका है। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने लापरवाह अधिकारियों की जमकर क्लास ली और सुशासन की गाड़ी को पटरी पर लाने के लिए बड़ा कदम उठाया। फिंगेश्वर नगर पंचायत के सीएमओ चंदन मानकर को सस्पेंड करने का आदेश देकर उन्होंने साफ संकेत दे दिया है कि, अब ढिलाई नहीं चलेगी।

कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक लेकर सुशासन

तिहार के दौरान विभागवार प्राप्त आवेदनों का व्यवस्थित रूप से संकलन एवं एन्ट्री कर संबंधित विभाग को निराकरण के लिए भेजे। जिससे कि संबंधित विभाग उन आवेदनों का निराकरण शीघ्रता से कर सके। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के एन्ट्री एवं निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जायेगी, अन्यथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का एन्ट्री किया जा रहा है। उसके मॉनिटरिंग के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की ड्यूटी लगाये। प्रत्येक आवेदनों का गंभीरतापूर्वक जांच उपरांत संबंधित विभाग को प्रेषित कर पावती प्राप्त करें। जिला अधिकारियों की बैठक में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम, अपर कलेक्टर नवीन भगत, प्रकाश राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2025 के तहत पहले चरण में 8 से 11 अप्रैल तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निवासरत आवेदकों से उनकी शिकायतों व मांगों को लेकर आवेदन प्राप्त किया गया है।

कलेक्टर ने खुद पकड़ी थी लापरवाही

बताते चलें कि, कलेक्टर दीपक अग्रवाल सुशासन तिहार के तहत विगत दिनों क्षेत्र भ्रमण पर थे। इस दौरान फिंगेश्वर सीएमओ चंदन मानकर कार्यालय में अनुपस्थित पाये गये थे और मुख्यालय से बाहर थे। साथ ही सुशासन तिहार के समीक्षा बैठक के दौरान भी बिना अनुमति के अनुपस्थित रहे। इस पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने उन्हें गैर जिम्मेदार मानते हुए निलंबित करने के प्रस्ताव उच्च कार्यालय को भेजने के निर्देश दिये हैं।

समीक्षा बैठक में भी नदारद थे जिम्मेदार

इसी तरह समीक्षा बैठक के दौरान बिना बताये अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है। इनमें राजिम के एसडीएम विशाल महाराणा, मैनपुर एसडीएम पंकज डाहिरे, देवभोग एसडीएम तुलसीदास मरकाम के नाम हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत मैनपुर के सीईओ सुश्री श्वेता शर्मा, देवभोग रवि सोनवानी तथा नगरीय निकाय राजिम के सीएमओ मनीष कुमार गायकवाड़, कोपरा के सीएमओ श्यामलाल वर्मा, छुरा सीएमओ लालसिंग मरकाम, देवभोग संतोष स्वर्णकार को भी नोटिस दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तम्भ चौक, रायपुर (छग) से मुद्रित एवं डी-17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर, गुढियारी, रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला*।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो.-8889977997